सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 258, नई दिल्ली | शुक्रवार,01 दिसंबर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

खुशी और गम एक दूसरे के समांतर चलते हैं जब एक शांत होता है तो दूसरा भी शिथिल पड़ जाता है

60 वर्ष से अधिक महिलाओं को रोडवेज में मुफ्त यात्रा, महिला वोटरों को साधने की कोशिश

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सौगात मिलेगी। योगी सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले महिला वोट बैंक को साधने की तैयारी की है। अनुपूरक बजट में निगम को प्रतिकर भुगतान के लिए एक करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आगामी लोकसभा चुनाव में योगी सरकार का पूरा फोकस आधी आबादी के वोट बैंक को साधने पर है। प्रदेश में लंबे समय से बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त यात्रा की मांग की जा रही थी।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।

रोडवेज के बेडे में शामिल होंगी एक हजार नई बसें

मंत्री सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम के बेडे में करीब एक हजार नई बसें शामिल की जाएंगी। इनमें सौ से अधिक इलेक्ट्रिक बसें भी होंगी। अनुपूरक बजट में नई बसों की खरीद के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। हाल ही में कैबिनेट से स्वीकृत उत्तर प्रधेश अंतदेर्शीय जल मार्ग प्राधिकरण की स्थापना के लिए एक लाख रुपये का प्रावधान किया है। परिवहन आयुक्त कार्यालय में वाहन खरीद के लिए 50 लाख का बजट प्रावधान किया है।

रोडवेज दफ्तरों के लिए मंजूरी

अनुपूरक बजट में बरेली, गाजीपुर, फरुर्खाबाद, हापुड़, देवरिया, संभल, जौनपुर, चित्रकूट और चंदौली में सारथी हॉल सहित रोडवेज कार्यालय भवन बनाने के लिए अनुपूरक बजट में मंजूरी दी गई है। अनुपूरक बजट में टोकन मनी के रूप में एक लाख रुपये स्वीकृत किया है।

हजरतगंज में बनेगा एकीकृत परिवहन भवन

राजधानी लखनऊ में हजरत गंज ओलिवर रोड पर स्थित भूमि पर परिवहन विभाग का बहुमंजिला एकीकृत आधुनिक परिवहन भवन बनाया जाएगा। अनुपूरक बजट में भवन निर्माण को मंजूरी के साथ इसके लिए टोकन मनी के रूप में एक लाख रुपये का प्रावधान किया है।

> अनुपूरक बजट में बरेली, गाजीपुर, फरुर्खाबाद, हापुड़, देवरिया, संभल, जौनपुर, चित्रकूट और चंदौली में सारथी हॉल सहित रोडवेज कार्यालय भवन बनाने के लिए अनुपूरक बजट में मंजूरी दी गई है। अनुपूरक बजट में टोकन मनी के रूप में एक लाख रुपये स्वीकृत किया है।

पालिका प्रशासन ने निरस्त किए 94 सड़कों के टेंडर

जसपुर। नगर पालिका जसपुर के मौजूदा बोर्ड का तीन दिन बाद कार्यकाल समाप्त होने वाला है लेकिन कार्यकाल समाप्त होने से मात्र तीन दिन पहले पार्षदों को भारी झटका लगा है। उनकी ओर से दिए गए जिन प्रस्तावों पर 10 करोड़ की राशि से पालिका के विभिन्न वार्डों में सड़कें बनने वाली थीं उन सभी सड़कों के 94 टेंडर को पालिका प्रशासन ने निरस्त कर दिया है। पालिका के पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र में सड़कें बनवाने सहित कई विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव दिए थे। काफी समय तक इन प्रस्ताव को पास किए जाने का इंतजार किया जाता रहा। पिछले दिनों बोर्ड बैठक में सभी प्रस्तावों को पारित कर 10 करोड़ से सड़कें बनाए जाने का फैसला लिया गया था जिसके लिए टेंडर भी आमंत्रित कर लिए गए थे। सभी पार्षद इन विकास कार्यों को अपने आगामी चुनाव की योजना से भी जोड़ कर देख रहे थे क्योंकि इनमें कहीं प्रस्ताव ऐसे थे जो पार्षदों ने क्षेत्र की जनता की मांग पर न केवल रखे थे बल्कि निर्माण कार्य कराने के लिए वह बार-बार प्रयास भी कर रहे थे। मगर बुधवार को अचानक इन 94 सड़कों के टेंडरों को निरस्त कर दिया गया। इससे पार्षदों के साथ-साथ ठेकेदारों में भी मायूसी है।

सड़क हादसों के डेंजर जोन का सर्वे फाइलों में दबकर रह गया

आसपास के लोगों का कहना है कि डिवाइडर अव्यवस्थित तरीके से रखे होने से और डिवाइडर के बीच में से ही क्रासिंग देने से लगातार हादसे हो रहे हैं। हम अपने स्तर पर यहां की क्रासिंग को बंद करते हैं लेकिन फिर से उसे खोल दिया जाता है।

परिवहन विशेष न्यूज इंदौर

सड़क हादसों के मामले में देश में नंबर दो पर आने वाले इंदौर इंदौर में कल रात से सुबह तक ही दो बड़ी घटनाएं हो गई। एक कार की टक्कर से महिला सफाई कर्मी की मौत हो गई और एक अन्य हादसे में एक युवक गंभीर घायल हो गया। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद शहर के डेंजर स्पाट पर सुधार नहीं हुआ है। कुछ समय पहले कलेक्टर इलैया राजा टी ने डेंजर स्पाट के लिए एक जांच समिति बनाई थी जिसने शहर के प्रमुख डेंजर स्पाट चिन्हित करके दिए थे लेकिन उन पर भी कोई खास काम नहीं किया गया।

ब्रिलिएंट कन्वेंशन के पास लगातार हो रहे हादसे

इंदौर के सबसे पाश क्षेत्र ब्रिलिएंट कन्वेंशन में डिवाइडर खुले होने की वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं। मंगलवार रात में यहां पर एक युवक गंभीर घायल हो गया। आसपास के लोगों का कहना है कि डिवाइडर अव्यवस्थित तरीके से रखे होने से और डिवाइडर के बीच में से ही क्रासिंग देने से लगातार हादसे हो रहे हैं। हम अपने स्तर पर यहां की क्रासिंग को बंद करते हैं लेकिन फिर से उसे खोल दिया जाता है।

शहर में कई जगह लगातार हादसे हो रहे

शहर में कुछ स्पाट ऐसे हैं जहां पर लगातार हादसे हो रहे हैं।

दो महीने पहले कलेक्टर इलैया राजा टी ने इन सभी स्पाट की रिपोर्ट बनवाई थी जो अब फाइलों में दबकर ही रह गई है।

कहा गया था कि इन सभी स्पाट पर जरूरी बदलाव कर इन्हें सुरिक्षत किया जाएगा लेकिन यह काम आगे नहीं बढ़ सका। इन स्पाट में सुपर कारिडोर, देवास नाका और रिंग रोड के कुछ क्षेत्र शामिल हैं। यहां पर लगातार हादसे हो रहे हैं।

सड़क हादसों में नंबर दो पर है इंदौर

सड़क हादसों के मामले में इंदौर देश में नंबर दो पर है।

पहले नंबर पर दिल्ली आता है जहां साल 2022 में सर्वाधिक 5,652 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इसके बाद इंदौर (4,680), जबलपुर (4,046), बेंगलुरु (3,822), चेन्नई (3,452), भोपाल (3,313), मल्लापुरम (2,991), जयपुर (2,687), हैदराबाद (2,516) और कोच्चि (2,432) का स्थान आता है। यह रिपोर्ट देश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले बड़े शहरों की है। इस दौरान इस तरह के 50 शहरों में सड़क हादसों के कारण 17000 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

सुबह छाया घना कोहरा, 15 से ज्यादा उड़ानें हुई लेट

परिवहन विशेष न्यूज इंदौर

शहर में अब ठंड अपना रंग दिखाने लगी है। रात और दिन के पारे में सात डिग्री का अंतर रह गया है। बुधवार सुबह शहर कोहरे की चादर में लिपटा रहा। इससे सुबह सवा घंटे हवाई यातायात प्रभावित रहा। सुबह की 15 से ज्यादा उड़ानें लेट हो गई।वही सुबह की ट्रेनें भी नियंत्रित गति से चली। सुबह छह बजे के बाद कोहरा घना हो गया और शहर में दृश्यता कम हो गई। सड़कों पर सुबह चलने वाले वाहनों की गति भी धीमी हो गई थी और वाहन चालक हेडलाइट आन कर वाहन चला रहे थे। उधर सुबह इंदौर आने वाली अहमदाबाद, जयपुर, दिल्ली,हैदराबाद, नासिक, राजकोट, जबलपुर जाने वाली उड़ान भी एक से डेढ़ घंटे लेट हो गई। कोहरे के कारण विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे। इस कारण दिन भर उड़ानों का शेड्यूल भी गड़बड़ रहा। इंदौर आने वाले विमान भी मौसम साफ होने के इंतजार में हवा में चक्कर लगाते रहे और वे भी लेट हो गए। बुधवार को शहर में बारिश तो नहीं हुई, लेकिन दिनभर धूप भी नहीं निकली। दिन का तापमान सामान्य से (24 डिग्री सेल्सियस) छह डिग्री कम रहा,जबकि रात का तापमान 16.4 डिग्री रहा। रात और दिन के तापमान में सात डिग्री का ही अंतर आ रहा है। रात का तापमान सामान्य से चार डिग्री ज्यादा रहा। मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर से उठा चक्रवाती घेरा प्रदेश में सक्रिय है। इस कारण आने वाले तीन चार दिनों तक मौसम ठंडा रहेगा और गरज-चमक के साथ बारिश भी हो सकती है। जू में वन्य प्राणियों को ठंड से बचाने के लिए लगाए ब्लोअर ठंड का असर वन्य प्राणियों के स्वास्थ्य पर न पड़े। इसके लिए जू प्रबंधन ने पिंजरों में ब्लोअर, कंबल, लकड़ी का बुरादा और सूखी घास का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। धूप नहीं निकलने से दिनभर वन्य प्राणी भी परेशान हो रहे है।

जनसेवा एक्सप्रेस समेत कल से 12 ट्रेनें तीन महीने तक रहेंगी रद्द

परिवहन विशेष न्यूज सहारनपुर

रेलवे ने कोहरे के कारण सहारनपुर से होकर गुजरने वाली 12 ट्रेनों को तीन महीने तक रद्द रखने का निर्णय लिया है। इनका संचालन एक दिसंबर (शुक्रवार) से बंद हो जाएगा। इनमें जनसेवा, जलियांवाला बाग, शहीद, हरिहर, योग नगरी ऋषिकेश और अमृतसर-लालकुआं एक्सप्रेस आदि शामिल हैं। इन ट्रेनों के रद्द होने से पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के यात्रियों की परेशानी बढ़ेगी। सर्दी धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है। कोहरा भी आ गया है। कोहरे में ट्रेनों की रफ्तार बिगड़ जाती है। फिलहाल भी लंबी दूरी की ट्रेनें अपने तय समय से नहीं पहुंच पा रही है। बुधवार को दरभंगा-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस तीन घंटे, डिब्रुगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस पांच घंटे, कोलकाता-अमृतसर दुर्गियाना एक्सप्रेस दो घंटे, बनमनखी-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस चार घंटे और जयनगर-अमृतसर सरयू यमुना एक्सप्रेस दो घंटे, जम्मूतवी-जैसलमेर शालीमार एक्सप्रेस सवा चार घंटे की देरी से सहारनपुर में पहुंची।

कोहरे को देखते हुए रेलवे ने लंबी दूरी की ट्रेनों को एक दिसंबर से लेकर दो मार्च 2024 तक के लिए रद्द कर दिया है। 14681 नई दिल्ली-जालंधर सिटी सुपर एक्सप्रेस एक मार्च तक अंबाला तक संचालित होगी। यह ट्रेन अंबाला-जालंधर के बीच नहीं चलेगी।

- कौन सी ट्रेन कब से कब तक रद्द
- 14617 बनमनखी-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस तीन दिसंबर से दो मार्च 2024 तक
- 14618 अमृतसर-बनमनखी जनसेवा एक्सप्रेस एक दिसंबर से 29 फरवरी तक
- 14606 जम्मूतवी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस तीन दिसंबर से 25 फरवरी तक
- 14605 योग नगरी ऋषिकेश-जम्मूतवी एक्सप्रेस चार दिसंबर से 26 फरवरी तक
- 14616 अमृतसर-लालकुआं एक्सप्रेस दो दिसंबर से 24 फरवरी तक
- 14615 लालकुआं-अमृतसर एक्सप्रेस दो दिसंबर से 24 फरवरी तक
- 14524 अंबाला-बरौनी हरिहर एक्सप्रेस दो दिसंबर से 27 फरवरी तक
- 14523 बरौनी-अंबाला हरिहर एक्सप्रेस चार दिसंबर से 29 फरवरी तक
- 14674 अमृतसर-जयनगर शहीद एक्सप्रेस पांच दिसंबर से 27 फरवरी तक
- 14673 जयनगर-अमृतसर शहीद एक्सप्रेस सात दिसंबर से 29 फरवरी तक
- 18103 टाटानगर-अमृतसर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस चार दिसंबर से 28 फरवरी तक
- 18104 अमृतसर-टाटानगर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस छह दिसंबर से एक मार्च तक

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

होम ट्यूशन में भी सुरक्षित नहीं लड़कियां

प्रियंका साहू , परिवहन विशेष न्यूज

बिहार के मुजफ्फरपुर जिला स्थित मड़वन ब्लॉक की रहने वाली एक 16 वर्षीय नाबालिग निर्मला (बदला हुआ नाम) अपने साथ बचपन में हुए यौन दुराचार की घटना के बारे में सुनाते हुए फूट-फूट कर रोने लगी. वह बताती है कि जब 6-7 साल की उम्र में दूसरी कक्षा में पढ़ रही थी, तभी उसके साथ यह अमानवीय घटना घटी थी. उसके पैरेंट्स ने दूर के एक चाचा के 21 वर्षीय बेटे को उसे पढ़ाने के लिए कहा. कुछ दिन तक उसने उसे और उसकी बहनों को खूब अच्छे से पढ़ाया. बाद में थोड़ी-थोड़ी गलती पर भी उसने बच्ची की मां से शिकायत करनी शुरू कर दी. निर्मला की मां ने उसे मारपीट कर पढ़ाने को कहा. वह बताती है कि ह्यकभी-कभी मां जब घर पर नहीं रहती थी, तब वह पढ़ाने चला आता था. मां को उस पर कोई शक नहीं था, जिसका वह लाभ उठाने लगा और पढ़ाने के बहाने उसके अंगों को स्पर्श करना शुरू कर दिया. एक दिन उसने होमवर्क नहीं बनाने के कारण उसकी काफी पिटाई की.ह्न मां के डर के कारण निर्मला सब सहती रही. एक दिन चाचा के उस 21 वर्षीय बेटे ने मासूम निर्मला से कहा कि ह्ययदि जैसा मैं करूंगा वैसा करने दोगी, तो मैं नहीं मारूंगा और यदि उसने अपनी मां को कुछ भी बताया तो इससे भी ज्यादा मारूंगा. इस तरह निर्मला के साथ शुरू हुआ शारीरिक शोषण का सिलसिला. एक तो बचपना की नासमझी और उपर से मार का डर, उसे शारीरिक पीड़ा झेलने के लिए बाध्य करता रहा. वह बताती है कि उसका सपना पढ़ लिख कर अफसर बनने का था, लेकिन आज वह एक ट्रॉमा पेशेंट बनकर जी रही है.

वास्तव में, लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न और हिंसा की खबरें आये दिन समाचार की सुर्खियां बनती रहती हैं. स्कूल-कॉलेज की छात्राओं, कामकाजी महिलाओं, घरेलू औरतों से लेकर असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाली महिला मजदूरों के साथ कार्यस्थल पर ही शारीरिक शोषण झेलना जैसे इनकी नियति बन गयी है. महिलाएं घर से बाहर महफूज नहीं हैं, घर की चहारदीवारी के भीतर भी वे पूर्णतः सुरक्षित नहीं हैं. निकट संबंधियों, दूर के रिश्तेदारों और घर में आने-जाने वाले मित्रों-पड़ोसियों की बुरी नजर से भी मासूम बच्चियां बच नहीं पाती हैं. यहां तक कि शिक्षकों में गिरते नैतिक व चारित्रिक स्तर के कारण कोचिंग संस्थानों में पढ़ाने वाले टीचर भी छात्राओं को अपना शिकार बनाने से बाज नहीं आते हैं. इन सबसे बचने के लिए अक्सर माता-पिता अपनी बच्चियों को होम ट्यूशन दिलवा कर निश्चिंत हो जाते हैं. लेकिन क्या ऐसा हो पाता है ? सच तो यह है कि लड़कियां न घर में सुरक्षित हैं और न ही बाहर.

मुजफ्फरपुर के सरैया प्रखंड की 19 वर्षीया एक यौन पीड़िता मंजूला (बदला हुआ नाम) का कहना है कि ह्यजिस आदमी पर हवस सवार हो जाता है, उसकी नजर में पवित्र रिश्ते भी बेमानी हो जाते हैं. वह व्यक्ति दादा, चाचा, मामा, भाई, फूफा, भतीजा, शिक्षक या फिर दोस्त किसी भी रूप में सामने आ सकता है. लोग बाहर वालों से ज्यादा घर वालों एवं सगे-संबंधियों पर आंख मूंदकर भरोसा कर बैठते हैं और बच्चों को उनके साथ अकेला छोड़ देते हैं. यह जरूरी नहीं कि हम जो देख रहे हैं, वह सही ही हो. हमारी आंखों के सामने बहुत कुछ होता रहता है और हम समय रहते उसे भांप नहीं पाते हैं. जिसका परिणाम बहुत बुरा होता है. इसका सबसे नकारात्मक प्रभाव बच्चियों के मन मस्तिष्क पर पड़ता है.

मंजूला भी घर के एक बेहद करीबी रिश्तेदार द्वारा यौन शोषण का शिकार हुई थी. वह कहती है कि ह्यऐसे हादसों के पीछे अक्सर मां-बाप की लापरवाही होती है. वह बाहर के शिक्षक पर भरोसा नहीं करते हैं और घर पर आकर पढ़ाने वाले शिक्षक पर जरूरत से ज्यादा ही भरोसा कर लेते हैं. छोटी उम्र में बच्चों के पास सही और गलत की पहचान की समझ नहीं होती है. अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में उनके साथ कभी चर्चा भी नहीं की जाती है. कुछ मां-बाप की यह भी गलती होती है कि वे अपने बच्चों को वक्त ही नहीं देते हैं. उनके साथ उनका व्यवहार दोस्ताना न होने की वजह से बच्चे अपनी गलतियों को छुपाने लगते हैं.

यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, परिवार के किसी सदस्य द्वारा यौन दुर्व्यवहार के परिणाम अधिक गंभीर और दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक आघात हो सकता है. अधिकांश यौन शोषण अपराधी पीड़िता के परिचित होते हैं. रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में लगभग 30 प्रतिशत बच्चियों के बिलकुल करीबी रिश्तेदार होते हैं. लगभग 60 प्रतिशत अन्य परिचित जैसे कि परिवार के दोस्त, नौकर या पड़ोसी होते हैं. लगभग 10 प्रतिशत मामलों में ही अजनबी होते हैं. आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि लोगों में पुलिस व कानून का भय बिल्कुल नहीं है और न समाज का डर व लोक-लाज का ख्याल होता है. साल 2022 में राष्ट्रीय महिला आयोग को महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों की लगभग 31000 शिकायतें मिलीं, जो 2014 के बाद सबसे अधिक है. पिछले संसद सत्र में केंद्र सरकार ने संसद में बताया था कि पिछले पांच सालों में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरों के डेटा के मुताबिक महिलाओं के खिलाफ अपराध के लगभग एक करोड़ मामले दर्ज किए गए हैं. मुजफ्फरपुर में संचालित एक स्थानीय गैर सरकारी संस्था ह्यअमर त्रिशला सेवा आश्रमह्न के सचिव रंजीत मेहता कहते हैं कि पहले संयुक्त परिवार होता था, जिस वजह से घर में कोई-न-कोई व्यक्ति रहता ही था. अब एकल परिवार का चलन बढ़ा है. यदि माता-पिता कामकाजी हैं, तो उनके बच्चों को अकेलापन झेलना पड़ता है, जिसका नाजायज फायदा उनके रिश्तेदार या फिर शिक्षक उठाते हैं. हम बच्चों को सेक्स एजुकेशन एवं गुड टच-बैड टच के बारे में भी नहीं बताते हैं. जो आगे चलकर यौन शोषण का कारण बनते हैं. 2017 की मुजफ्फरपुर शेल्टर होम की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब बाल सुधार गृह की बालिकाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो स्थिति समझी जा सकती है. हालांकि इस घटना के बाद बाल संरक्षण ईकाई के क्रियाकलापों पर सरकार की खास नजर है. बाल यौन उत्पीड़न की शिकायत करने के लिए भारत सरकार की हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर सकते हैं. साथ ही राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के टोल फ्री नंबर 18002330055 पर अथवा आयोग की वेबसाइट पर जाकर ह्याई-बाल निदानह्न पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं.

यह संबंधित सरकारों एवं कानून-व्यवस्था की नाकामी है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संख्या घटने के बजाय बढ़ती ही जा रही है. ये आंकड़े इस ओर इशारा करते हैं कि हमारा कथित सभ्य समाज लगातार असभ्य, अनैतिक एवं अपराधी-प्रवृति का होता जा रहा है. यह भटकाव इंटरनेट क्रांति के बाद और तेजी से हुआ है. हर घर में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक के हाथों में इंटरनेट से लैस एंड्रायड मोबाइल की उपलब्धता हो गयी है. स्मार्टफोन पर आसानी से पोर्न फिल्में उपलब्ध हो जाती हैं, जो खासकर छोटे-छोटे बच्चों एवं किशोर-किशोरियों के लिए घातक सिद्ध हो सकती हैं, क्योंकि उन्हें इन चीजों की समझ होती नहीं है. युवाओं एवं बुजुर्गों में भी इंटरनेट की दुनिया चारित्रिक पतन का एक बड़ा कारण है. ऐसे में समाज और सरकारों को महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराध को रोकने के लिए ठोस उपायों पर विचार करने की जरूरत है. किसी भी राज्य में बढ़ता अपराध अपराधियों के बढ़ते हौसले के कारण नहीं बल्कि सरकार द्वारा उसे रोक पाने में नाकाम रहने के कारण होता है।

संजॉय घोष मीडिया अवार्ड 2023का परिणाम घोषित...

परिवहन विशेष न्यूज

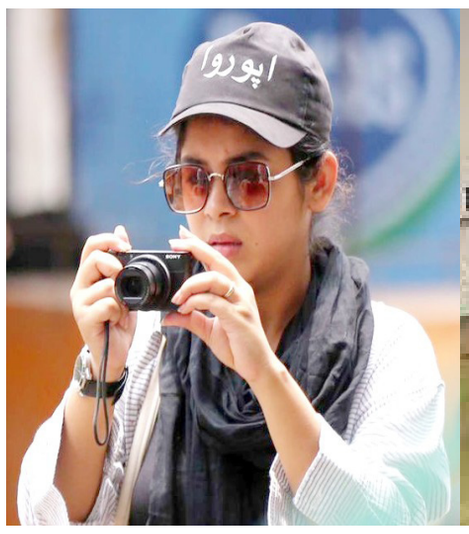

नई दिल्ली ।मीडिया के रचनात्मक उपयोग के माध्यम से वंचित ग्रामीण समुदायों के सामाजिक और आर्थिक समावेशन की दिशा में काम करने वाली गैर-लाभकारी संगठन चरखा डेवलपमेंट कम्युनिकेशन नेटवर्क ने बुधवार 29 नवंबर को ₹संजॉय घोष मीडिया अवार्ड्स 2023₹ के दोनों श्रेणियों के कुल 6 विजेताओं के नामों की घोषणा कर दी है. इस वर्ष सभी पुरस्कार विजेता महिला लेखिका हैं. ज्ञात हो कि सभी श्रेणियों के लिए देश भर से कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए थे. जिनमें श्रेणी 1 के लिए 15 और श्रेणी 2 के लिए 38 आवेदन प्राप्त हुए थे।

श्रेणी 1 की 2 विजेताओं में ओडिशा की स्वतंत्र पत्रकार ऐश्वर्या मोहंती और उत्तर प्रदेश की स्वतंत्र पत्रकार और फोटोग्राफर जिज्ञासा मिश्रा हैं वहीं श्रेणी 2 में चार विजेताओं का चयन किया गया है. जो क्रमशः केंद्रशासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर के पुंछ से सैय्यदा तैयबा काजमी, लद्दाख से कमरून निसा, उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक के लामबगड़ से महिमा जोशी और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की युवा लेखिका ज्योति हैं. श्रेणी 1 की विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ पचास-पचास हजार रूपए और श्रेणी 2 की प्रति विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ पच्चीस-पच्चीस हजार रूपए प्रदान किये जाएंगे।

दोनों ही श्रेणियों में विजेताओं का चयन दो अलग अलग जूरी पैनल द्वारा किया गया है. श्रेणी 1 की जूरी पैनल में वरिष्ठ पत्रकार कविता अय्यर, पिछले 23 वर्षों से विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षण का अनुभव रखने वाले डॉ गौहर फाजली और सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण निभाने वाली संस्था ₹श्रुतिर की कार्यकारी निदेशक श्वेता त्रिपाठी शामिल थीं. जबकि श्रेणी 2 की जूरी पैनल में महिला एवं विकास, बाल सुरक्षा और संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कश्मीर की वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता फराह जैदी, चंबल अकेडमी की कोऑर्डिनेटर और खबर लहरिया की वरिष्ठ पत्रकार सुनीता और आईआईटी दिल्ली के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में समाजशात्र की असिस्टेंट प्रोफेसर मधुलिका सोनकर शामिल थी.

इस संबंध में चरखा की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चेतना वर्मा ने बताया कि ₹यह पुरस्कार चरखा के संस्थापक संजॉय घोष से प्रेरित हैं, जिन्होंने मीडिया के रचनात्मक उपयोग के माध्यम से हाशिए के ग्रामीण समुदायों के सामाजिक और आर्थिक समावेशन की दिशा में काम किया है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष चरखा ने अपने नियमों में परिवर्तन करते हुए श्रेणी 1 के विजेताओं का चुनाव उनके प्रकाशित आलेखों के आधार पर किया है. हालांकि इन आलेखों का थीम पिछले वर्ष की तरह ही महिला हिंसा, लिंग आधारित भेदभाव, महिला उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण पर ही आधारित था। जबकि श्रेणी 2 के नियमों में कोई बदलाव नहीं करते हुए पिछले वर्ष की तरह ही उन युवा अप्रशिक्षित किशोरी लेखिकाओं का चयन किया गया है जो हाशिये पर खड़ी महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सक्रियता से लिखना चाहती हैं. यह श्रेणी लेखन के प्रति रुझान को बढ़ाने के लिए केवल युवा किशोरियों के लिए ही आरक्षित है. इन किशोरियों को अगले तीन महीनों में महिला हिंसा, लिंग आधारित भेदभाव, महिला उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण पर ही आधारित तीन आलेख लिखने होंगे. इसके लिए मार्गदर्शन के रूप में चरखा उन्हें मेंटर भी प्रदान करेगा. इन लेखों के प्रकाशन का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में हाशिए पर रहने वाली किशोरियों और महिलाओं द्वारा अनुभव की गई संघर्ष और सफलता की कहानियों को सामने लाना है.

चेतना वर्मा ने बताया कि सभी विजेताओं को आगामी 07 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित चरखा के 29वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

वृद्धाश्रमों का बढ़ता चलन चिंताजनक है

हरीश कुमार, परिवहन विशेष न्यूज

आजकल के समय में लोग अपने आपको इतना व्यस्त बता रहे हैं कि उनके पास अपने बूढ़े मां-बाप के लिए भी समय मौजूद नहीं रह गया है. इसी भागदौड़ भरी जिंदगी में वह अपने फैसले भी खुद लेने में ज्यादा विश्वास रखते हैं. जिसके चलते वृद्ध माता-पिता से लोग बिना सलाह लिए काम करते हैं. इससे आपसी रिश्तो पर बुरा असर पड़ रहा है. रिश्तों में खटास पैदा होने लगी है. रिश्ते दिन प्रतिदिन कमजोर होते जा रहे हैं. आजादी के नाम पर मां बाप के साथ रहना बुरा लगने लगा है. प्राइवेसी और ह्यमेरी लाइफह्न के नाम पर माता पिता उन्हीं बच्चों की आंखों में खटकने लगते हैं जो कभी उनकी आंखों का तारा हुआ करते थे. धीरे-धीरे रिश्ते इतने कमजोर हो जाते हैं कि लोगों को इस समस्या का समाधान केवल वृद्धाश्रम लगने लगता है और फिर बच्चे अपने वृद्ध मां-बाप को उनके ही घर से निकाल कर वृद्ध आश्रम में छोड़ आते हैं.

कुछ तो ऐसे वृद्ध होते हैं जिन्होंने किसी दुर्घटना में अपना पूरा परिवार ही खो दिया है. इनका वृद्धाश्रम में पहुंचना तो फिर भी समझ में आता है. परंतु कुछ ऐसे वृद्ध माता-पिता भी होते हैं, जिनके उनके अपने बच्चों द्वारा ही उन्हें वृद्धाश्रम में पहुंचा दिया जाता है और फिर कई साल गुजर जाने के बाद भी उन बच्चों द्वारा अपने बूढ़े माता-पिता की कोई सुध नहीं ली जाती है. यह हालात देश के किसी एक राज्य या जिला की नहीं है बल्कि देश का ऐसा कोई जिला नहीं होगा जहां वृद्ध माता पिता को ऐसी परिस्थिति से गुजरना नहीं पड़ता है. बात चाहे दिल्ली या मुंबई जैसे महानगर हों या पटना और नागपुर जैसे मध्यम दर्जे के शहर, ऐसे वृद्धाश्रम हर कहीं खुल गए हैं.

जम्मू के अम्बफला स्थित ह्याओल्ड एज होमह्न में भी कुछ ऐसी ही हकीकत छुपी है. जहां रहने वाले अधिकांश वृद्धों को उनके ही अपने बच्चों ने ठुकरा दिया और यहां छोड़ गए. जम्मू के नवांशहर के रहने वाले 70 वर्षीय रमेश राज का कहना है कि ह्यमेरे दो लड़के हैं. दोनों के अपने-अपने घर हैं. बच्चों के समाज में चलने के अपने तरीके हैं और हमारे अपने तरीके हैं. विचारधारा के इस टकराव के कारण अक्सर घर में लड़ाईयां हुआ करती थीं. इसलिए हमने लड़कों को बोला कि हमें वृद्धाश्रम छोड़ आएह्न. रमेश राज कहते हैं कि ह्यपत्नी भी मेरे साथ वृद्धाश्रम आ गई. बेटियां फिर भी मिलने आती हैं. परंतु आज तक लड़के नहीं मिलने आए.ह्न वह बताते हैं कि इस वृद्धाश्रम में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं. लेकिन इसके बावजूद अपने परिवार से दूर होने का गम कहीं न कहीं खटकता है. वहीं सांबा जिला की रहने वाली एक वृद्धा कहती हैं कि ह्यमेरे दो बच्चे हैं. छोटा बेटा शराब का अत्यधिक सेवन करता है. उसने शराब पीकर मुझे मारा पीटा, जिससे मेरी एक बाजू भी टूट गई जबकि बड़े बेटे की पत्नी लड़ाई झगड़ा करती थी. इसलिए दो वर्ष पहले मैं वृद्धाश्रम आ गई. मेरी बेटियां मुझसे मिलने आती हैं, परंतु बेटे आज तक मिलने नहीं आए.

वहीं डोडा के रहने वाले वृद्ध मोहनलाल बताते हैं कि ह्यबहुत साल पहले मैं जंगल गया हुआ था. पीछे मेरे मकान में आग लग गई और सारा परिवार जल गया. जब तक शरीर में जान थी अपना गुजारा करता रहा. अब बूढ़ा हो गया हूं इसलिए वृद्धाश्रम आ गया. यहां सब कुछ अच्छे से अच्छा मिल रहा है. बस ईश्वर का नाम लेकर ज़िन्दगी गुजार रहा हूँ. परंतु मैं यह कहना चाहता हूं कि हमें एक हजार पेंशन मिलती थी. अब सरकार ने वह भी बंद कर दी है.ह्न इस संबंध में जम्मू म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी मेयर बलदेव सिंह का कहना है कि इन पेंशन प्राप्तकताओं की वेरिफिकेशन हो रही है. सरकार ने वेरिफिकेशन का आधार यह रखा है कि जो गरीबी रेखा से नीचे होंगे, अब केवल उन्हें ही पेंशन मिलेगी.

हालांकि बलदेव सिंह अपनी निजी राय व्यक्त करते हुए कहते हैं कि बिना किसी बाधा के सभी दिव्यांगों और बुजुर्गों को पेंशन का प्रावधान होनी चाहिए. बहुत से लोग ऐसे हैं जो घर से बाहर तक नहीं निकल पाते हैं क्योंकि वह पटवारी या तहसील ऑफिस जाने के काबिल ही नहीं होते हैं. इसलिए सरकार को ऐसे सभी लोगों के लिए पेंशन की व्यवस्था करनी चाहिए. इस संबंध में इस ओल्ड एज होम के वार्डन प्रीतम चंद कहते हैं कि यहां कुल 40 बुजुर्ग हैं. जिनमें 22 पुरुष और 18 महिलाएं हैं. इस आश्रम में सभी का ख्याल रखा जाता है. उन्हें घर जैसा वातावरण देने का प्रयास किया जाता है. उनके लिए डॉक्टर और अन्य सुविधाओं की बराबर व्यवस्था की जाती है.

यूनाइटेड नेशन वर्ल्ड पापुलेशन एजिंग की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले समय में भारत में वृद्धों की संख्या तेजी से बढ़ेगी. वर्तमान में, भारत में बुजुर्गों की संख्या कुल आबादी का 8 प्रतिशत है जो वर्ष 2050 में बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है. ऐसे में क्या इन आंकड़ों से यह अनुमान लगाया जाए कि जब बुजुर्गों की तादाद बढ़ेगी तो वृद्धाश्रम की संख्या भी बढ़ेगी ? क्योंकि मौजूदा समय में देश की करीब 250 जिलों में करीब 400 वृद्धाश्रम संचालित हो रहे हैं. परंतु चाहे वृद्धों की संख्या कितनी भी बढ़े, एक बात तो साफ है कि वृद्ध व्यक्ति समाज के लिए संपत्ति की तरह हैं, बोझ की तरह नहीं और इस संपत्ति का लाभ उठाने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि उन्हें वृद्धाश्रमों की बजाय मुख्यधारा में आत्मसात किया जाए ताकि समाज और नई पीढ़ी उनके अनुभवों का लाभ उठा सके।

उद्यमियों से बोले सीएम योगी, युवाओं को ट्रेनिंग दीजिए, एक साल का मानदेय हम देंगे

- इंस्पेक्टर राज को खत्म करने के लिए ही निवेश मित्र और निवेश सारथी पोर्टल लांच किए गए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हुआ है। निवेश मित्र पोर्टल देश का सबसे बड़ा पोर्टल है।

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित उद्यमियों के महासम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित किया और कहा कि सरकार उद्यमियों को हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि नये युवाओं को प्रशिक्षित कीजिए एक वर्ष का मानदेय सरकार देगी। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में यूपी ने इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब कल्याण योजनाएं और विकास के दम पर दुनिया भर में नाम कमाया है। अगले चार साल में भारत दुनिया की तीन शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। उद्योग जगत के योगदान के बिना ये संभव नहीं है। यूपी की एक जिला एक उत्पाद योजना देश भर में अपनाई जा रही है। आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी ताकत लोकल फॉर वोकल है। एमएसएमई ही (एक जिला एक उत्पाद) ओडीओपी है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रतिस्पर्धा किससे है इसे देखकर क्वालिटी को बेहतर बनाना होगा। जो दिखता है, वही बिकता है इसलिए पैकेजिंग पर खास ध्यान दें। यही सबसे पहले आकृष्ट करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पैकेजिंग संस्थान खुल रहा है। इंस्पेक्टर राज को खत्म करने के लिए ही निवेश मित्र और निवेश सारथी पोर्टल लांच किए गए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हुआ है। निवेश मित्र पोर्टल देश का सबसे बड़ा पोर्टल है। निवेश सारथी के जरिए एमओयू फाइनल किए जा रहे हैं। यूपी ने रिफॉर्म, परफॉर्म और लॉ एंड ऑर्डर पर काम किया है मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यमियों को चक्कर न लगाना पड़े इसके लिए लगातार काम हो रहे हैं। बीते वर्षों में उत्तर प्रदेश ने रिफॉर्म, परफॉर्म और लॉ एंड ऑर्डर पर काम किया है। प्रदेश में चालीस लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो में 500 विदेशी ग्राहक आए। चार लाख से ज्यादा लोग आए। ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा कि आज का समय स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का है। दुनिया हमारी तरफ देख रही है। ये समय आपका यानी उद्यमियों का है। नोएडा को बसने में 36 साल लग गए। अब झांसी के पास नया औद्योगिक शहर बना रहे हैं। हमारे पास 38 हजार एकड़ लेन है। झांसी में एयरपोर्ट शुरू होने जा रहा है। यूपी के किसी भी शहर में बेहिचक निवेश कीजिए। आपकी सुरक्षा और निवेश संबंधी मदद हम करेंगे। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हर तरह का सहयोग करेंगे। इसके साथ आपसे कहूंगा कि हमारे साथ मिलकर सहयोग कीजिए। समस्याओं के समाधान का मैकेनिज्म तैयार करने का काम सरकार का है। अगले साल 2024 में ट्रेड शो की तैयारी कर रहे हैं। ये भी ग्रेटर नोएडा में होगा। सितंबर 2024 ट्रेड शो के लिए आप अभी से तैयारी कीजिए। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में इस तरह के ट्रेड शो आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि रूफटॉप सोलर पॉलिसी का लाभ लीजिए। बिजली खर्च कम होगा। प्रदूषण कम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यमियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में आईआईए के वरिष्ठ पधाधिकारी अशोक सिंघल, सुनील वैश्य और आलोक अग्रवाल मौजूद रहे।

इलाज के दौरान युवक की मौत, परिजनों में आक्रोश

परिवहन विशेष न्यूज सोनभद्र

चिकित्सक पर लापरवाही और मारपीट का लगाया आरोप

चोपन, सोनभद्र। बुधवार की सांय चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब सुनील केवट पुत्र भुवाली उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम देवघर थाना जुगैल चोपन हॉस्पिटल पर अपना इलाज कराने आया था इसके बाद डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। इस दौरान उसने अपने भाई को फोन करके बताया कि, मेरा तबीयत खराब है मुझे यहां भरती कर लिया गया है उसके बाद उसका भाई वकील केवट हॉस्पिटल आ गया। कुछ देर बाद मरीज की हालत बिगड़ने लगी। मरीज के भाई का आरोप है कि, मैं जब डॉक्टर से जाकर बताया कि मेरे भाई की हालत बिगड़ने लगी है अगर आपसे नहीं हो सकता तो उसे तत्काल रेफर करें। इतना सुनते ही मौके पर मौजूद डॉक्टर उसके साथ गाली गलौज करने लगे। आरोप है कि, डॉक्टर के द्वारा परिजन को लाठी से मारा पीटा गया इसके बाद कुछ ही देर में मरीज की मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर भाजपा चोपन मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव तिवारी, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष अनिकेत निषाद, रोहित बिंद, जितेंद्र निषाद आदि मौके पर पहुंच गए। उधर घटना की सूचना लगते ही गांव से भी काफी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचकर हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामा की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए तथा वस्तु स्थिति से जानकारी प्राप्त की। परिजनों का आरोप है कि, उक्त चिकित्सक के द्वारा जहां इलाज में लापरवाही बरती गई वहीं गाली गलौज के साथ मारपीट भी किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभी बीते मंगलवार को मृतक के नाना का भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। गुस्साए परिजन चिकित्सक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। प्रभारी निरीक्षक द्वारा परिजनों को काफी समझाने बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन परिजन आरोपी चिकित्सक के ऊपर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

संक्षिप्त खबरें

निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए 9 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां होंगे प्रस्तुत

सोनभद्र। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सोनभद्र ने अवगत कराया है कि,
भारत निर्वाचन आयोग ने अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अन्तर्गत 27 अक्टूबर, 2023 (शुक्रवार) से 09 दिसम्बर, 2023 (शनिवार) तक तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाने की तिथि निर्धारित की गयी है।
इस अवधि के मध्य दिनांक 02 दिसम्बर, 2023 (शनिवार) एवं 03 दिसम्बर, 2023 (रविवार) को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गयी है।
उक्त विशेष अभियान की तिथियों में समस्त बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने नियत मतदेय स्थल पर जनता को निःशुल्क निरीक्षण कराये जाने हेतु एकीकृत निर्वाचक नामावली के साथ समस्त फार्मों सहित पूर्वान्ह-10:00 बजे से 04:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे।
उन्होंने सभी सम्मानित नागरिकों से अपील की जाती है कि उक्त विशेष अभियान तिथियों में अपने नियत मतदेय स्थलों पर पहुंचकर मतदाता सूची का निरीक्षण करने के उपरान्त आवश्यकतानुसार मतदाता सूची में नाम बढ़ाये जाने हेतु फार्म-6, निर्वाचक नामावली अधिप्रमाणन के प्रयोजन के लिए आधार संख्या की सूचना हेतु फार्म-6ख, मतदाता सूची से नाम अपमार्जित किये जाने हेतु फार्म-7 एवं विद्यमान निर्वाचक नामावली में मतदाता के निवास का स्थानांतरण, प्रविष्टियों का सुधार, बिना सुधार के ई0पी0आई0सी0 प्रतिस्थापन एवं दिव्यांगजन चिन्हांकन करने सम्बन्धी प्रविष्टियों के सुधार हेतु फार्म-8 में अपना आवेदन भरकर जमा कर सकते हैं।

अनुपूरक बजट को लेकर चर्चा, आमने-सामने आ सकते हैं सत्ता पक्ष-विपक्ष

- कुल 28760.67 करोड़ रुपये के इस बजट का करीब तीन चौथाई हिस्सा इन्हीं चार सेक्टरों पर खर्च होगा। लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान ऊर्जा क्षेत्र के लिए किया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र में योगी सरकार ने 28 हजार 760 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश कर दिया है। बृहस्पतिवार को अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी। चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने-सामने आ सकते हैं।

योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में सड़क, बिजली और किसानों के साथ-साथ प्रदेश भर में राममय माहौल बनाने के लिए खजाना खोल दिया है। कुल 28760.67 करोड़ रुपये के इस बजट का करीब तीन चौथाई हिस्सा इन्हीं चार सेक्टरों पर खर्च होगा। लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान ऊर्जा क्षेत्र के लिए किया गया है।

इसमें किसानों को निजी नलकूपों से मुफ्त सिंचाई के लिए 900 करोड़ शामिल है। 4250 करोड़ रुपये से बदहाल सड़कों की सूरत बदली जाएगी। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे प्रदेश का माहौल राममय बनाने की तैयारी है। इसके लिए बजट में ह्यरामोत्सवह्व की घोषणा की गई है, जिस पर 100 करोड़ खर्च होंगे।

सपा के पुर्व विधायक ने विधानसभा में उठाया धान क्रय केंद्रों पर हो रहे भ्रष्टाचार का मामला

- उन्होने कहा कि धान ज्यादा पैदावार करने वाले क्षेत्रों को विशेष व्यवस्था किया जाये। उन्होने बताया कि प्रदेश के आबादी के 60 प्रतिशत लोगों के पास केवल एक एकड़ या उससे कम जमीन है।

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

जमानियां विधानसभा 379 के विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह ने धान क्रय केंद्र में हो रहे धांधली और बिचौलियों द्वारा किसानों का उत्पीड़न के विषय में विधानसभा में सवाल उठाया है। ओमप्रकाश सिंह ने सदन को बताया कि धान क्रय केंद्र में बिचौलियों के माध्यम से काफी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है, उन्होने कहा कि धान उपज का सरकार पूरे प्रदेश में सर्वे कराये कि कहां धान ज्यादा पैदा होता है और कहा कम होता है। उन्होने कहा कि धान ज्यादा पैदावार करने वाले क्षेत्रों को विशेष व्यवस्था किया जाये। उन्होने बताया कि प्रदेश के आबादी के 60 प्रतिशत लोगों के पास केवल एक एकड़ या उससे कम जमीन है। 28 प्रतिशत लोगों के पास 3 एकड़ या उससे ज्यादा जमीन है। मात्र 12 प्रतिशत लोगों के पास ज्यादे जमीन है। आज के परिवेश में खेती केवल अभाव या आर्थिक रुप से कमजोर लोग ही कर रहे हैं। पढ़े-लिखे सम्पन्न लोग बहुत ही कम खेती करते हैं।

उन्होने सदन को बताया कि व्यवस्था करके पंजाब, और उत्तरप्रदेश के बीच जो कमियां उसे दूर किया जाये। हमारे किसान जो देर से पैदा होने वाली धान की फसल उगाते हैं और फरवरी माह में सरकार क्रय केंद्र बंद कर देने की घोषणा कर देती है।

उन्होने कहा कि धान क्रय केंद्र में बिचौलियों के माध्यम से भ्रष्टाचार चरम पर है सरकार उनपर भी एसटीएफ के माध्यम से अंकुश लगाये और उनके उपर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाये।

उन्होने कहा कि जबतक किसान सम्पन्न नही होगा तबतक देश-प्रदेश का विकास नही हो सकता है क्योंकि आबादी के 60 प्रतिशत लोग खेती करते हैं।

सैलानियों के लिए इस साल गंगा पार रेती पर नहीं सजेगी टेंट सिटी, एनजीटी के सख्त रुख का असर

परिवहन विशेष न्यूज वाराणसी

सैलानियों के लिए पसंदीदा बन चुकी टेंट सिटी इस बार गंगा पार रेती पर नहीं सजेगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सख्त रुख को देखते हुए टेंट सिटी बसाने वाली कंपनियों ने अपने कदम खींच लिए हैं। उधर, प्रशासन ने भी अब टेंट सिटी के लिए हाथ खड़े कर दिए हैं। ऐसे में ठंड के मौसम में अलग अहसास का सपना संजोकर काशी आने वाले सैलानियों को इस अनुभव से वंचित रहना पड़ेगा। जनवरी 2023 में पहली बार गंगा पार रेती पर बसाई गई टेंट सिटी को बसाने में मानकों के उल्लंघन का आरोप है। इस मामले में एनजीटी ने शासन और प्रशासन को भी निशाने पर लिया है। ऐसे में इस वर्ष टेंट सिटी बसाने की योजना को धरातल पर नहीं उतारा जाएगा। पहली बार गंगा पार रेती पर टेंट सिटी जनवरी 2023 में बसाई गई थी। 14 जनवरी से 31 मई तक टेंट सिटी का संचालन कराया गया और इस दौरान करीब 60 हजार से ज्यादा सैलानियों ने टेंट सिटी का लुत्फ उठाया था। टेंट सिटी की मांग को देखते हुए कंपनियों ने नंवबर से मई तक टेंट सिटी बसाने का निर्णय लिया था। मगर, मामला एनजीटी में जाने के बाद इस योजना पर ग्रहण लग गया। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि टेंट सिटी को पूरी तरह बसाने में करीब दो महीने का वक्त चाहिए होगा। फिलहाल, न्यायालय में मामला होने के चलते अभी इसकी शुरूआत के आसार नहीं है। जिलाधिकारी एस राजलिंगम का कहना है कि एनजीटी के निर्णय का अनुपालन कराएंगे।

कंपनियों ने बंद की बुकिंग

टेंट सिटी बसाने वाली कंपनी लल्लू जी एंड संस और प्रवेज ने इस साल के लिए अपनी बुकिंग भी बंद कर दी है। हालांकि, अगस्त महीने में कंपनियों ने नवंबर की बुकिंग शुरू की थी। टेंट सिटी नहीं बसने की स्थिति में बुकिंग को लगातार आगे भी बढ़ाया गया। मगर, अब कंपनियों ने अपनी वेबसाइट से बुकिंग का विकल्प ही हटा लिया है।

वीडीए ने खर्च किए थे 15 करोड़ रुपये

टेंट सिटी बसाने के लिए विकास प्राधिकरण ने मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने के लिए करीब 15 करोड़ रुपये खर्च किया था। यहां बिजली, पानी, सड़क, कूड़ा घर सहित अन्य सुविधाएं अलग अलग विभागों ने विकसित की थी। मई में टेंट सिटी हटाए जाने के बाद भी सीवर, पेयजल की लाइनें रेती के अंदर ही छोड़ दी गई हैं।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन से कटीं 125 भेड़ें, 12 घायल; मौके पर पहुंचे अधिकारी

परिवहन विशेष न्यूज चंदौली

अलीनगर थाना क्षेत्र के सिंघीतालाी के पास बृहस्पतिवार की सुबह रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से 125 भेड़ों की कटकर मौत हो गई। वहीं 12 घायल हैं। बिहार के पशुपालक सुबह करीब 300 भेड़ों को ट्रैक पार करा रहे थे। सूचना के बाद मौके पर एसडीएम सहित कई अधिकारी पहुंचे और लोगों की भीड़ जुट गई।

पशुपालक गुरुवार सुबह 300 भेड़ लेकर घर जा रहा था। सिंघीताली के समीप रेलवे ट्रैक पर जैसे ही भेड़ को पार करना चाहा कि ट्रेन की चपेट में आने से लगभग 200 भेड़ इधर-उधर हो गये। सूचना पर पहुंची अलीनगर पुलिस ने कार्रवाई में जुड़ गई। ट्रेन की चपेट में आने 125 भेड़ की मौत हुई है।

अलीनगर थाना प्रभारी शेषधर पांडेय ने बताया कि पशुपालक भिरगुन पल ग्राम पानापुर थाना बेलाऊ भभुआ बिहार का निवासी है। वही दूसरा पशुपालक उमेश पाल ग्राम देवड़ही थाना चिनारी रोहतास बिहार है। जबकि तीसरा पशुपालक गुरुचरण पाल भजूपाल ग्राम तेवंडी थाना चिनारी रोहतास विहार निवासी है। एसडीएम विराग पांडेय ने बताया कि तीन पशुपालक बिहार के निवासी हैं। सिंधीताली रेलवे ट्रैक पर पशुपालक द्वारा भेड़ पार कर रहे थे। जिसमें से लगभग 125 भेड़ की मौत हुई हैं। इसके साथ कुछ भेड़ गंभीर रूप से घायल हैं।

नगर पालिका प्रशासन की उपेक्षा का शिकार हो रहे नगर के रहवासी

परिवहन विशेष न्यूज सोनभद्र

सीवर के ढक्कन जगह-जगह टूट जाने या खोल कर अलग कर देने से लोगों को आवागमन में हो रही मुश्किलें, दुर्घटना की आशंका तेज

एक तरफ जहां प्रदेश शासन जनता की सुविधा के लिए विकास कार्य पर जोर दे रही है, वही नगर पालिका रावर्टसगंज प्रशासन की उपेक्षा के कारण नगर के रहवासियों को रहन-सहन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। नगर के विभिन्न वार्डों में जल निकासी के नाम पर सीवर लाइन का निर्माण तो कराया गया है किन्तु जगह-जगह या तो सीवर के ढक्कन टूट गए हैं या अलग कर छोड़ दिया गया है, जिससे बिजली कटौती के समय लोगों को आवागमन में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बाबा भीम राव अंबेडकर नगर वार्ड नंबर 11 के रहवासियों का कहना है कि, जल निकासी की व्यवस्था के लिए सीवर लाइन का निर्माण तो कर दिया गया है लेकिन गुणवत्ता के अभाव में जगह-जगह सीवर लाइन के ढक्कन टूट गए हैं या जीर्ण शीर्ण हो गए हैं जिससे सीवर में जमा कीचड़ एवं आसपास जल जमाव के कारण मच्छरों एवं जीवन रोधी कीटों का जन्म तेजी से हो रहा है तथा बदबू उठती रहती है जिसका लोगों को आए दिन खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि, मच्छरों के दंश से जहां लोगों को मलेरिया आदि बीमारियों का शिकार होना पड़ता है वही बदबू से इन्फेक्शन भी फैल रहा है जिससे शारीरिक क्षति के साथ-साथ आर्थिक क्षति भी उठानी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि बारिश के दिनों में मार्ग पर जल जमा हो जाता है और लोगों को आवागमन के लिए सीवर लाइन के ऊपर से आना जाना पड़ता है। यदि जांच कर देखा जाए तो गुणवत्ता के अभाव में सीवर लाइन के ढक्कन या तो जीर्ण-शीर्ण हो गए हैं या कहीं कहीं संवेदनशील स्थान पर सफाई के नाम पर ढक्कन ही हटाकर छोड़ दिया गया है जिससे बिजली कटौती के समय अचानक अंधेरा होने पर सीवर में गिरकर लोगों के घायल होने की संभावना बनी रहती है। आवागमन के लिए कॉलोनी में कच्चे मार्ग का निर्माण कर उस पर थोड़ा बहुत मौरंग बख्शी छोड़ दिया गया है। जो हल्की बारिश होने पर भी दब कर आवागमन के लिए सहायक नहीं होता यही नहीं जगह जगह बने गड्ढो में जल जमाव हो जाता है। बार-बार शिकायत एवं मांग करने के बावजूद नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी पदाधिकारी महज टाल मटोल करते रहते हैं। नगर के रहवासियों ने उत्तर प्रदेश शासन एवं जिलाधिकारी से मौके का स्थलीय जांच कर या कराकर समस्या समाधान के लिए अपेक्षा की है।

भारत संकल्प यात्रा का आयोजन 26 जनवरी तक किया जाएगा

ललितपुर- जनपद के समस्त कृषक भाईयों को सूचित किया जाता है कि जनपद के सभी ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन दिनांक 30.11.2023 से 26.01.2024 तक चैन के माध्यम से इस उद्देश्य से आयोजित की जा रही है कि जनपद की समस्त विभागीय योजनाओं के संतृप्तिकरण के लिये आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से आम जनमानस में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

जिसका शुभारम्भ आज दिनांक 30.11.2023 को कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाध्यक्ष भा०ज०पा० राजकुमार जैन, विधायक प्रतिनिधि श्रीकान्त कुशवाहा एवं मुख्य विकास अधिकारी कमलाकान्त पाण्डेय द्वारा वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया एवं कार्यक्रम के आयोजन में जिला प्रभारी भा०ज०पा० सुरेश अवस्थी, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार भारती, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी सोनू मंगल, विषय वस्तु विशेषज्ञ तरूण जामकर, सहायक लेखाकार शैलेन्द्र, राजेश लिटौरिया, धर्मेन्द्र गोस्वामी उपस्थित रहे।

अतः समस्त कृषक भाइयों से अनुरोध है कि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर जनपद की समस्त विभागीय योजनाओं की जानकारी का लाभ उठायें।

मायावती बोलीं - लोकसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ने का फैसला अटल

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि लोकसभा आमचुनाव अकेले अपने बलबूते पर लड़ने का उनका फैसला अटल है। चुनाव में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहेगा और मुकाबला बहुकोणीय होगा। जनता भी इसके लिए अपना मन बना चुकी है। बसपा सुप्रीमो बृहस्पतिवार को यूपी और उत्तराखंड के पार्टी पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के साथ चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित विशेष बैठक में पार्टी के कार्यक्रमों, उसकी तैयारियों, कैडर बैठकों तथा उम्मीदवारों के चयन आदि की समीक्षा भी हुई। उन्होंने कहा कि केन्द्र व यूपी सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं कार्यप्रणाली आदि के कारण तेजी से बदल रहे हालात में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं होकर बहुकोणीय संघर्ष का रास्ता चुनने को लोग आतुर लग रहे हैं। ऐसे में लोकसभा का अगला आमचुनाव दिलचस्प, संघर्षपूर्ण और व्यापक जनहित व देशहित में साबित होने की प्रबल संभावना है जिसमें बसपा की अहम भूमिका रहेगी। थोड़े 'अच्छे दिन' को तरसते यूपी के लगभग 25 करोड़ लोगों के जीवन में छाई गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन व पलायन आदि के दुःख-दर्द भरा जीवन का क्रम भाजपा के शासनकाल में भी लगातार जारी है। बीते वर्षों में यह हालात बेहतर होने के बजाय बिगडे.हैं।

पदाधिकारियों से ली रिपोर्ट

इससे पहले उन्होंने पिछली बैठक में दिये गये दिशा-निदेर्शों पर जमीनी स्तर पर होने वाले अमल की जिला व मण्डलवार समीक्षा रिपोर्ट ली। साथ ही कमियों को दूर करके आगे बढ़ने के लिये नये दिशा-निर्देश दिये। पार्टी संगठन तथा सदस्यता आदि की जिम्मेदारी की सख्त हिदायत देते आगामी संसदीय चुनाव के लिए बेहतर कैडर व्यवस्था के आधार पर युवा मिशनरी लोग भी तैयार करने का अपना निर्देश दोहराया। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा के लिये फिर से यहां माहौल काफी गरमाने लगा है तथा सरगर्मियां शुरू हो गयी हैं।

लखनऊ और नोएडा में कार्यक्रम

मायावती ने 6 दिसम्बर को डा. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस को पार्टी की परम्परा के अनुसार पूरे देश में व खासकर यूपी में पूरी मिशनरी भावना के अनुरूप आयोजित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस बार कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया गया है। अब पश्चिमी यूपी के छह मण्डलों तथा आगरा, अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ तथा सहारनपुर मण्डल के लोग नोएडा में दिल्ली-यूपी सीमा पर निर्मित भव्य 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल व ग्रीन गार्डेन' में श्रद्धांजलि व श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे। यूपी के शेष 12 मण्डलों में पार्टी के लोग लखनऊ में डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में स्थित स्मारक में श्रद्धांजलि देंगे।

कुछ जिलों में ही खर्च हो रहा पैसा

मायावती ने कहा कि यूपी की भाजपा सरकार में सभी जिलों में समग्र विकास के बजाय कुछ गिने-चुने जिलों में ही सरकारी धन व्यय को प्राथमिकता दी जा रही है, जिस तरह सपा शासनकाल में कुछ चुनिन्दा जिले ही सरकारी कृपादृष्टि के पात्र हुआ करते थे। इस संकीर्ण राजनीति से जनता पहले की तरह ही दुखी व त्रस्त है। स्पष्ट है कि भाजपा भी, सपा व कांग्रेस की तरह अपने काम के बल पर जनता से वोट मांगने की स्थिति में नहीं है। इसीलिए चुनावी स्वार्थ के लिए संकीर्ण, भड़काऊ एवं विभाजनकारी मुद्दों का फिर सहारा लिया जाएगा, जिससे बहुजन समाज के लोगों को सावधान रहना है। इनके किसी भी बहकावे में कतई नहीं आना है। उनके हवाहवाई विकास के छलावे में और न ही इनके अन्य किसी उन्मादी मुद्दे में संयम खोना है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में एक दिसंबर से आप का सिग्नेचर अभियान

नई दिल्ली दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने प्रवर्तन निदेशायल और भाजपा के षड्यंत्र के खिलाफ मैं भी केजरीवाल सिग्नेचर अभियान शुरू करने जा रही है। आप का अभियान एक दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें दिल्ली के लोगों से पूछा जाएगा। क्या अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यदि वह भाजपा के षड्यंत्र के तहत गिरफ्तार हो जाते हैं। इस बात की जानकारी दिल्ली मंत्री गोपाल राय ने दी। प्रेस वार्ता में सांसद राघव चड्ढा और गोपाल राय ने आरोप लगाया है कि भाजपा फर्जी शराब घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कराने के लिए षड्यंत्र रच रही है। ये लोग आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहते हैं।

सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले कर्मियों की सेवा समाप्त, नगर निगम ने 26 पर की कड़ी कार्रवाई

गुरुग्राम गुरुग्राम नगर निगम की ओर से बुधवार को सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले लगभग 26 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई की गई। यह कर्मी आदेशों की अवहेलना कर निगम प्रशासन द्वारा किए जा रहे सफाई कार्य में समय-समय पर बाधा उत्पन्न कर रहे थे। शहर के कई आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों और अन्य व्यक्तियों ने जोन-1 व जोन-2 क्षेत्रों के संयुक्त आयुक्तों से मिलकर इस बारे में शिकायत की थी। लोगों का कहना था कि कुछ सफाई कर्मचारी हड़ताल के नाम पर शहर की सफाई व्यवस्था को खराब कर रहे हैं। ऐसे में अगर आम नागरिक भी अपने क्षेत्र में सफाई का कार्य करता है, तो उसके कार्य में भी बाधा उत्पन्न की जाती है। उन्होंने ऐसे कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की, जिस पर कार्रवाई करते हुए लगभग 26 कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से निगम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। बता दें कि गलत आचरण से नगर निगम गुरुग्राम की छवि को धूमिल करने वाले तीन कर्मचारियों पर पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस ने सफाई कर्मचारी नरेश, रामसिंह व राजेश कुमार के खिलाफ ठेकेदारों से अवैध वसूली करने का मामला दर्ज किया था। नगर निगम अधिकारियों द्वारा इस मामले में कार्रवाई करते हुए नरेश व रामसिंह की सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं, जबकि सफाई कर्मचारी राजेश कुमार को निलंबित किया गया था।

एटीएम के बाहर युवक से मोबाइल छिनकर भागे बदमाश, फिर खाते से निकाले 57 हजार

नोएडा नोएडा के सेक्टर18 में बदमाशों ने एक युवक का मोबाइल एटीएम बूथ के बाहर छीन लिया और उसके खाते से दो बार में 57 हजार रुपये निकाल लिया। मामले में पीड़ित युवक ने पुलिस से शिकायत की है। कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंचशील हाइनिस सोसाइटी निवासी अभिजीत कुमार ने पुलिस से शिकायत की है कि पिछले सप्ताह वह सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो में बैठकर सेक्टर-18 जा रहे था। उसके कोच में दो युवक भी चढ़े और पास ही खड़े हो गए। इसी दौरान अभिजीत ने अपने दोस्त से फोन पर बात की और खाते में 57 हजार रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा। ये बात दोनों युवकों ने सुन ली। रकम ट्रांसफर होने के बाद मेट्रो में ही अभिजीत खाते का बैलेंस चेक कर रहा था तभी दोनों युवकों ने पिन देख लिया। जब अभिजीत सेक्टर-18 उतरा और पैसे निकालने के लिए एटीएम बूथ में पहुंचा तब दोनों युवक वहां पहुंच गए। अभिजीत जब मशीन में कार्ड डालकर पैसे निकाल रहा था तो एक युवक झांकने लगा। शक होने पर पीड़ित ने ट्रांजेक्शन निरस्त कर दिया। जैसे ही अभिजीत बूथ के बाहर निकला युवक उसका मोबाइल लूट कर फरार हो गया। इसके बाद आरोपियों ने डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर 40 हजार रुपये कैश निकाल लिए और 17 हजार रुपये का यूपीआई ट्रांजेक्शन कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

600 के बैठने की जगह, बना दिया 900 छात्रों का केंद्र

नोएडा। शिक्षा विभाग के पास बोर्ड के निर्धारित केंद्रों पर 23 आपत्तियां आई हैं। कई केंद्रों ने 600 छात्रों के बैठने की जगह पर 900 छात्रों का केंद्र बनाने पर आपत्ति दर्ज कराई हैं। कुछ स्कूलों के प्रिंसिपल ने बीमारी का हवाला देकर केंद्र हटाने की मांग की है और कुछ ने केंद्र नहीं बनाए जाने पर शिकायत दर्ज कराई है। वहीं शिक्षा विभाग का कहना है कि सभी आपत्तियों को जिले स्तर पर गठित समिति के सामने रखा जाएगा। उसके आधार पर फैसला लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में करीब 42 हजार छात्र बैठेंगे। इन छात्रों की परीक्षा करवाने के लिए जिले में 58 केंद्र बनाए गए हैं। बोर्ड की ओर से इन केंद्रों को लेकर आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है, ताकि कमियों को दूर करके शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा कराई जा सके। शिक्षा विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि नेहरू स्मारक स्कूल प्रबंधक ने आपत्ति दर्ज कराई है कि स्कूल में 600 छात्रों के बैठने की व्यवस्था है, लेकिन 900 छात्रों का केंद्र बना दिया गया है। ऐसे में कहां बैठकर छात्र की परीक्षाएं देंगे। शिक्षा विभाग के पास कई स्कूलों की ओर से ऐसी ही शिकायतें आई हैं। वहीं दो स्कूलों ने केंद्र हटाने की मांग की है।

ग्रैप-3 हटा, अब फिर सड़कों पर दौड़ेंगे बीएस-3 और 4 वाहन

- इन दिनों शादियां शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में लोग राजधानी क्षेत्र में अपने वाहनों के साथ आने-जाने में कतरा रहे थे।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। बदले मौसम के मिजाज के साथ सुधरते वायु गुणवत्ता सूचकांक की समीक्षा के बाद एनसीआर सहित गुरुग्राम से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप)-3 के तहत लागू प्रतिबंध हटा दिए हैं। जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की समीक्षा बैठक के बाद यह आदेश जारी किए। आयोग ने मंगलवार देर शाम समीक्षा बैठक कर ग्रैप-3 हटाने का निर्णय लिया था। अब लोग एक बार फिर अपने बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल गाड़ियां सड़कों पर दौड़ा सकेंगे। इसके साथ ही अवैध मकान ढहाने और निर्माण कार्य पर लगी पाबंदियां भी हट गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग बिगड़ते वायु गुणवत्ता की लगातार समीक्षा करने में जुटा है। आयोग ने बताया कि ग्रैप-1 और 2 अभी लागू रहेगा। इस बीच ग्रैप -3 से पूरे 27 दिन बाद राहत मिली है। ग्रैप-3 में वाहनों पर लगे प्रतिबंध से लोगों को दिल्ली सहित एनसीआर में आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इन दिनों शादियां शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में लोग राजधानी क्षेत्र में अपने वाहनों के साथ आने-जाने में कतरा रहे थे। उधर, बुधवार से जिले में एक बार फिर वाहनों की संख्या में इजाफा दिखा। जिले के सबसे व्यस्त सदर बाजार में नई पार्किंग सुविधाएं जनता के लिए शुरू कर दी गईं। बुधवार को जिले का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 222 के साथ खराब श्रेणी में रहा। इस दौरान क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक मीटर में अलग-अलग क्षेत्र की रिपोर्ट भी अपेक्षाकृत संतुष्ट रही। ग्वाल पहाड़ी में एक्यूआई 207 रहा। सेक्टर 51 में एक्यूआई 297 रहा। टेहरी ग्राम में 186 एक्यूआई रहा। विकास सदन का एक्यूआई 198 रहा। ऐसे में शहर में वायु की गुणवत्ता बेहतर हो रही है। जिला उपायुक्त निशांत यादव ने बताया कि वायु गुणवत्ता में पहले के मुकाबले एनसीआर में सुधार हुआ है। ऐसे में ग्रैप-1 और 2 की पाबंदियां लागू रखी जाएंगी। सख्त नियम ग्रैप-3 और 4 के तहत लागू होते हैं। फिलहाल जनता के हित को ध्यान में रखते हुए यह पाबंदियां हटा दी गई हैं। ग्रैप-2 में यह रहेंगे बंद दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहने पर ग्रैप-2 लागू रहता है। इसके तहत डीजल जेनरेटर बंद रहेंगे, पार्किंग फीस को बढ़ाकर निजी वाहनों का प्रयोग घटाया जाएगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक बसें, मेट्रो सर्विस में इजाफा होगा। ादर बाजार में जाम से बचने के लिए नई पार्किंग जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक वीरेंद्र विज ने बताया कि बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 वाहनों पर लगा प्रतिबंध ग्रैप-3 को हटाने के बाद से खत्म हो गया है। अब लोग इस श्रेणी के वाहनों को लेकर बाहर निकल रहे हैं। ऐसे में जिले के व्यस्त क्षेत्र में से एक सदर बाजार में दो अस्थाई पार्किंग बनाई गई है।

हॉल की बुकिंग से पहले देना होगा हथियार नहीं लाने और चलाने का हलफनामा

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित फार्म हाउस में आयोजित शादी समारोह में नोएडा निवासी अशोक यादव की हत्या की वारदात के बाद पुलिस ने 40 से ज्यादा बैंक्वेट हॉल संचालकों को नोटिस जारी किया है। बुधवार को जारी नोटिस में संचालकों को परिसर में हथियार लेकर जाने और फायरिंग पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया है। पुलिस प्रशासन ने हॉल मालिकों से किसी भी समारोह की बुकिंग से पहले हथियार नहीं लाने और चलाने का हलफनामा लेने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जारी नोटिस में पार्किंग, सीसीटीवी कैमरे और आग बुझाने के उपायों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। बैंक्वेट हॉल के मालिकों को भेजे नोटिस में कहा गया है कि शादी समारोह व अन्य कार्यक्रमों के दौरान फायरिंग प्रतिबंधित है। ऐसा होने पर शस्त्र संचालक के साथ ही हॉल संचालकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। संचालकों से आयोजन से पहले हॉल की बुकिंग करने वालों से फायरिंग नहीं करने का हलफनामा लेने और इसका उल्लंघन करने पर परिसर में प्रवेश करने पर कार्रवाई करने को कहा गया है। दरअसल, शादी समारोह व खुशी के अन्य मौकों पर हथियारों का प्रदर्शन बेहद आम है। आए दिन अलग-अलग समारोह में हवाई फायरिंग की घटनाएं सामने आती रहती हैं। लाइसेंसी हथियार से समारोह में फायरिंग को लेकर कई बार दिशानिर्देश दिए गए। जिसका असर नहीं दिख रहा है। इसी सोमवार को शादी समारोह में हथियार लेकर पहुंचे हापुड़ निवासी शेखर यादव ने अपने समधी अशोक यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद इस मामले ने फिर तूल पकड़ लिया है। बैंक्वेट हॉल मालिकों को नोटिस जारी कर शादी समारोह में हथियार प्रतिबंधित करने को कहा गया है। संचालकों को आयोजन से पहले बुकिंग कराने वालों से शस्त्र नहीं लाने और चलाने का हलफनामा लेना होगा। हॉल मालिकों को पॉर्किंग की उचित व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

रेल मंत्री आज करेंगे डिक्सन के प्लांट का उद्घाटन

- गोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में हायर कंपनी के प्लांट में भी उत्पादन शुरू हो जाएगा। दोनों कंपनियां यहां करीब एक हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रही हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के सेक्टर-68 में बृहस्पतिवार को डिक्सन कंपनी के मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कंपनी की इकाई का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद जल्द ही ग्रेनो के इकोटेक-8 में कंपनी के दूसरा प्लांट शुरू हो जाएगा। इसका उद्घाटन 14 दिसंबर को किए जाने के आसार हैं। वहीं जनवरी तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में हायर कंपनी के प्लांट में भी उत्पादन शुरू हो जाएगा। दोनों कंपनियां यहां करीब एक हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रही हैं। इससे प्रत्यक्ष रूप में करीब पांच हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। जबकि अप्रत्यक्ष रूप से करीब और दो हजार लोगों को रोजगार दिया जाएगा। ग्रेनो के इकोटेक-8 में डिक्सन कंपनी की ओर से दूसरा प्लांट शुरू किया जाएगा। प्लांट में रेफ्रिजरेटर बनाकर दूसरी कंपनियों को भेजे जाएंगे। कंपनी ग्रेटर नोएडा में 400 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसमें करीब 3500 लोगों को रोजगार देगी। कंपनी के एजीएम ऋतिक जैन का कहना है कि नोएडा के सेक्टर-68 में प्लांट का उद्घाटन 30 नवंबर को होगा। इसके बाद ग्रेटर नोएडा के प्लांट की शुरूआत की जाएगी। उधर, हॉयर की ओर से ग्रेटर नोएडा में पहले ही एक बड़ा प्लांट चल रहा है और इसमें बड़ी तादाद में स्थानीय लोग नौकरी कर रहे हैं। अब कंपनी आईआईटीजीएनएल में दूसरे प्लांट को चालू करने की तैयारी शुरू हो गई है। दूसरे फेज के प्लांट का प्राधिकरण से नक्शा पास हो गया और ज्यादातर औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है। इसी माह या अगले माह तक इसे पूरा करने का पूर्ण प्रयास कंपनी की ओर से किया जा रहा है। इससे भी करीब 1500 लोगों को रोजगार दिया जा सकेगा। यह कंपनी ग्रेटर नोएडा के आईआईलीजीएनएल क्षेत्र में शुरू होगी।

31 दिसंबर तक डीजल से पीएनजी पर शिफ्ट होने का मौका

नोएडा। डीजल जनरेटर का उपयोग कर रहीं नोएडा की 7000 से अधिक औद्योगिक इकाइयों की एक माह की राहत मिल गई है। इकाइयों के पास डीजल से पीएनजी जनरेटर पर शिफ्ट होने का समय एक दिसंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. उत्सव शर्मा ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की निगरानी के लिए गठित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और औद्योगिक इकाइयों को समय सीमा बढ़ा दी है। समय सीमा समाप्त होने के बाद पहली जनवरी 2024 से चेकिंग अभियान शुरू होगा। वहीं नोएडा आंत्रप्रिन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने कहा कि एक दिसंबर से औद्योगिक इकाइयों में डोर टू डोर चेकिंग अभियान चलाया जाना था। अभी प्रदूषण भी कम हुआ है। ऐसे में अतिरिक्त समय इंडस्ट्रीज को मिलना भी चाहिए। उन्होंने बताया कि इंदप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) से भी इंडस्ट्रीज के पीएनजी कनेक्शन के आवेदन निस्तारित करने और गैस आपूर्ति सुचारू कराने के लिए

तीन वर्ष से एक ही विभाग में जमे कर्मचारियों का होगा विभागीय तबादला

- इसके अलावा सीईओ ने परिसंपत्ति विभागों द्वारा जारी किए जाने वाले धारा-10 एवं वाणिज्यिक उपयोग के नोटिस का संज्ञान लिया गया।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बुधवार को सेक्टर-6 कार्यालय के कई विभागों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। सीईओ ने एसीईओ सतीश पाल से ऐसे कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही एसीईओ कार्मिक से ऐसे कर्मचारियों की विभागवार लिस्ट बनाने को कहा, जो कि तीन वर्ष या इससे अधिक समय से एक ही विभाग में जमे हुए हैं। ऐसे कर्मचारियों का विभागीय तबादला होगा। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक विभाग में कार्य असंतोषजनक मिलने पर दीपक कुमार एवं सहायक सारिका गुप्ता को विभाग से अन्यत्र हस्तांतरित करने तथा कार्यालय अनुरूप परिधान नहीं होने पर सहायक राजेश गौतम को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सीईओ ने परिसंपत्ति विभागों द्वारा जारी किए जाने वाले धारा-10 एवं वाणिज्यिक उपयोग के नोटिस का संज्ञान लिया गया। दरअसल, सीईओ के पास धारा 10 का नोटिस जारी कर विभागों की ओर से दुरुपयोग की शिकायतें मिल रहीं थी। लिहाजा उन्होंने ऐसे नोटिस की सूची मांगी। लेकिन विभाग के अलावा एसीईओ स्तर पर भी ऐसी किसी सूची के होने से इंकार किया गया। इस पर सीईओ ने रोष जाहिर करते हुए सभी विभागों को धारा 10 के नोटिस की सूची तैयार करने के आदेश दिए गए। उन्होंने वित्त नियंत्रक से नोटिस जारी करने के बाद नोटिस वापसी के मद में प्राप्त होनी वाली धनराशि के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मिक्स्ड लैंड यूज के प्रकरणों में आवेदनों के निस्तारण में अनियमितता तथा देरी के संबंध में संबंधित एसीईओ को भूखंडवार लंबित आवेदनों तथा अध्ययन स्थिति संबंधी आख्या प्रस्तुत करने को कहा।

कहीं आप भी तो यहां जाकर चाव से नहीं खाते? लगाया जाता है इसका तड़का

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर गौतमबुद्धनगर के रेस्तरां में चिकन बिरयानी को लजीज बनाने के लिए सिंथेटिक रंग का तड़का लग रहा है। खाद्य विभाग की टीम ने सितंबर में सेक्टर-62 स्थित समा चिकन कॉर्नर से चिकन बिरयानी का नमूना लिया था। जांच में नमूना असुरक्षित निकाला है। चिकन बिरयानी में पीले रंग के सिंथेटिक रंग का प्रयोग पाया गया। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित रेस्तरां की चिकन बिरयानी में सिंथेटिक रंग परोसने का खुलासा हुआ है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताए जाने वाले सिंथेटिक रंग का इस्तेमाल चिकन बिरयानी को लजीज दिखने के लिए किया जा रहा था। खाद्य विभाग जल्द ही रेस्तरां संचालक के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज कराएगा। साथ ही अन्य शहर के अन्य रेस्तरां में सिंथेटिक रंग के इस्तेमाल की जांच की जाएगी। उधर कई और दुकानों से लिए गए पनीर और खोया में वसा की मात्रा कम पाई गई है। खाद्य विभाग की टीम ने सितंबर में सेक्टर-62 स्थित समा चिकन कॉर्नर से चिकन बिरयानी का नमूना लिया था। जांच में नमूना असुरक्षित निकाला है। चिकन बिरयानी में पीले रंग के सिंथेटिक रंग का प्रयोग पाया गया। वहीं खाद्य विभाग ने नॉलेज पार्क तीन स्थित टर्क मेरिडियन बैंकेट हॉल से बेसन का नमूना लिया गया था। जांच में बेसन के मिलावटी होने की बात सामने आई है। नमूने में आटा और मटर की मिलावट मिली है। नमूना मानकों पर खरा नहीं उतर सका। वहीं बिसाहड़ा की एक दुकान से आइसक्रीम के नमूने में वसा कम मिली है। वहीं सेक्टर बीटा वन स्थित बिलिंक कॉमर्शियल की मलाई पनीर, सेक्टर-135 स्थित वीवीएस सिग्नेचर के खोया, रामपुर जांगीर स्थित अग्रवाल स्वीट्स से खोया, सेक्टर-51 स्थित स्टोर से पनीर, सेक्टर डेल्टा वन स्थित दिव्य आनंद डेयरी से पनीर और दादरी के डेयरीवाला से लिए गए खोया का नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे है। इनमें वसा की मात्रा 20 से 40 फीसदी पाई गई है। जो 50 फीसदी से ज्यादा होनी चाहिए। जल्द ही एडीएम कोर्ट के माध्यम से इन सभी पर जुमार्ना लगाया जएगा। सिंथेटिक रंग हो सकता है खतरनाक खाद्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सिंथेटिक रंग से स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसके सेवन से एलर्जी की समस्या, सांस फूलना, पेट में दर्द, ऐंठन, सूजन, इम्यूनिटी सिस्टम पर असर, लीवर पर असर पड़ सकता है। नोएडा के रेस्तरां से लिया गया चिकन बिरयानी का नमूना असुरक्षित निकाला है। रेस्तरां पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। अन्य रेस्तरां की जांच कर खाने में सिंथेटिक रंग के प्रयोग को रोका जाएगा। संचालकों को इसके प्रति जागरूक भी किया जाएगा। -अक्षय गोयल, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गौतमबुद्ध नगर

सीएम फ्लाइंग टीम ने घरेलू गैस सिलिंडर की कालाबाजारी करते तीन पकड़े

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। सीएम फ्लाइंग की टीम ने घरेलू गैस सिलिंडर से गैस निकालकर कालाबाजारी करने को का भंडाफोड़ किया है। टीम ने मंगलवार को शीतला कॉलोनी ए ब्लॉक मेन गली अशोक विहार स्थित गैस एजेंसी के प्लांट पर छापेमारी की। तीन ऑटो से 86 गैस सिलिंडर भरे मिले। इन गैस सिलिंडर में एक किलो से आठ किलो तक गैस कम पाई गई। सेक्टर-5 थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीएम फ्लाइंग की छापेमारी के दौरान प्लॉट में माता शीतला गैस एजेंसी के तीन टैंपो पाए गए। आरोपी द्वारा इन सिलिंडरों में से एक बांसुरी नुमा यंत्र से गैस निकाली जा रही थी। मौके पर उस टेंपो में कुल 36 इंडियन मार्का के सिलिंडर पाए गए। जिनमें 33 भरे हुए व तीन सिलिंडर खाली मिले। टेंपो के सप्लायर ने अपना नाम होशियार सिंह बताया। दूसरे टेंपो में 23 सिलिंडर इंडियन मार्का के भरे हुए पाए गए। सप्लायर ने अपना नाम मुकेश कुमार बताया। तीसरे टेंपो में घरेलू सिलेंडर गैस के 23 सिलेंडर मार्का भारत गैस व दो कमर्शियल सिलिंडर मार्का भारत गैस के मिले। संचालक ने की पहचान भीमगढ़ खेड़ी निवासी इसराज अली के रूप में हुई। वहीं एजेंसी में अंदर खड़े हुए तीनों टेंपो को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग अधिकारियों के साथ निरीक्षण करने में से कुल गैस सिलिंडर 82 बरामद हुए। सीएम फ्लाइंग ने अवैध बोरवैल किया सील सीएम फ्लाइंग की टीम द्वारा बिजली विभाग व नगर निगम गुरुग्राम के साथ संयुक्त टीम गठित करके गांव धनकोट गुरुग्राम में स्थित अवैध आरओ प्लांट व अवैध बोरवेल पर छापेमारी की गई। सीएम फ्लाइंग गुरुग्राम को सूचना मिली कि गांव धनकोट में अवैध आरओ प्लांट व बोरवेल चल रहे हैं। मंगलवार को सीएम फ्लाइंग, बिजली निगम व नगर निगम गुरुग्राम की संयुक्त टीम की छापेमारी के दौरान सूचना सही पाई गई। अवैध बोरवेल मालिक कमल सिंह निवासी गांव धनवापुर गुरुग्राम के तीन अवैध बोरवेल को निगम ने सील कर दिया। आरओ प्लांट व अवैध बोरवेल मालिक कृष्ण कुमार बसई का था।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र के फैसले पर मुहर, दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार के सेवा विस्तार को मंजूरी

- ऐसे में लोगों को प्लॉटों पर कब्जा देने से पहले यहां पर मूलभूत सुविधाएं विकसित करना जरूरी है।

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर शीर्ष अदालत ने केंद्र के प्रस्ताव के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। कुमार बृहस्पतिवार को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार का कार्यकाल छह महीने बढ़ाने की अनुमति दे दी। शीर्ष अदालत ने केंद्र के प्रस्ताव के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। कुमार बृहस्पतिवार को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने माना कि केंद्र सरकार के पास दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को नियुक्त करने की शक्ति है। इसमें सेवानिवृत्त अधिकारी का कार्यकाल बढ़ाने की शक्ति भी शामिल है। पीठ ने कहा कि मुख्य सचिव के कार्यकाल का विस्तार नियमों का उल्लंघन नहीं है। पीठ दिल्ली सरकार की ओर से केंद्र के एकतरफा मुख्य सचिव की नियुक्ति करने या उसके परामर्श के बिना कार्यकाल बढ़ाने के खिलाफ दायर रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि दिल्ली सरकार की शक्तियों से बाहर पीठ ने यह भी बताया कि तीन विषयों को सांविधानिक रूप से दिल्ली सरकार की शक्तियों से बाहर रखा गया है- सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि। सीजेआई ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मुख्य सचिव को इन तीन मामलों से भी निपटना है। दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि मुख्य सचिव सौ अन्य मामलों से निपट रहे हैं, जो दिल्ली सरकार के विशेष क्षेत्र में हैं और इसलिए सरकार को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए। हालांकि पीठ ने इस तर्क को मानने से इन्कार कर दिया कि मुख्य सचिव के कार्यों को उस तरीके से विभाजित किया जाना चाहिए। पीठ ने हाल में पारित सेवा कानून का दिया हवाला दिल्ली की याचिका को खारिज करने के लिए पीठ ने संसद में पारित हालिया सेवा कानून (दिल्ली एनसीटी सरकार संशोधन अधिनियम 2023) का हवाला दिया, जो केंद्र को जीएनसीटीडी सेवाओं पर अधिभावी शक्तियां देता है। अधिनियम की वैधता से जुड़े मुद्दे को संविधान पीठ के पास भेज दिया गया है, पर इसके क्रियान्वयन पर रोक नहीं लगाई गई है। ...तब केंद्र के साथ राज्य सरकार भी तर्कसंगत थी सिंघवी ने जब कहा कि दिल्ली में जब एक महिला मुख्यमंत्री थीं, ऐसा कभी नहीं हुआ। सीजेआई ने इस पर कहा, हम यह नहीं कह सकते कि उन पांच वर्षों में केवल केंद्र ही तर्कसंगत थी, तब राज्य सरकार भी तर्कसंगत थी। अब आप दोनों आमने-सामने नहीं मिल सकते। रियायत के तौर पर सिंघवी ने सुझाव दिया कि सीएम व उपराज्यपाल पांच से दस नामों के साथ बैठ सकते हैं और सरकार कार्यकाल बढ़ाने की बजाय एलजी की ओर से चुने गए नाम को स्वीकार करेगी। केंद्र सरकार ने मुख्य सचिव के कार्यकाल को बढ़ाने की शक्ति को उचित ठहराने के लिए अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु सह सेवानिवृत्ति लाभ) नियम 1968 के नियम 16 पर भरोसा किया। इसमें प्रावधान है कि सेवानिवृत्त मुख्य सचिव का कार्यकाल केंद्र की पूर्व मंजूरी के साथ राज्य सरकार की सिफारिश पर छह महीने बढ़ाया जा सकता है।

डीजे बंद करने पर दूल्हे के घर पड़ोसी युवकों ने किया पथराव

- उनमें से साद और आरिफ जबरदस्ती उनके घर में घुस गए और डीजे चलवाकर फिल्मी गाना बजाने के लिए कहने लगे।

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। डबुआ कॉलोनी में शादी की पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम में डीजे को लेकर पड़ोसी 8 से 10 युवकों ने जमकर हंगामा किया। शराब के नशे में आरोपी युवकों ने रात में बंद किए गए डीजे पर दोबारा से फिल्मी गीत बजाने की मांग की। दूल्हे के परिवार के विरोध पर आरोपी युवकों ने तीन मंजिला इमारत से शादी वाले घर सहित मोहल्ले भर में जमकर पथराव किया। आरोपियों के उत्पात से दहशत में आए मोहल्ले के लोगों ने घरों में छिपकर जान बचाई। आरोप है कि दबंग युवकों ने घर में घुसकर शादी के लिए रखे डेढ़ लाख रुपये और महिलाओं के जेवरात लूट लिए। मामला दर्ज पुलिस तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। डबुआ कॉलोनी डी ब्लॉक निवासी कुलदीप चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि बुधवार को उसके भाई की शादी है। इस उपलक्ष्य में मंगलवार रात को एक छोटा समारोह किया। इस दौरान छोटे बच्चे और महिलाएं डीजे पर नाच-गा रहे थे। रात 10:30 बजे नाच गाना बंद कर दिया गया और डीजे भी बंदकर घर में लेकर चले गए। इस दौरान पड़ोसी शाद कुरैशी, आरिफ समेत 8-10 अन्य युवक आ गए। उनमें से साद और आरिफ जबरदस्ती उनके घर में घुस गए और डीजे चलवाकर फिल्मी गाना बजाने के लिए कहने लगे। विरोध करने पर युवकों ने मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आठ-10 युवकों में से कुछ युवक ने घर में शादी के लिए रखे करीब डेढ़ लाख रुपये और जेवरात लूट ले लिए। लूटपाट कर सभी युवक अपने घर चले गए। उन्होंने अपने घर की तीसरी मंजिल पर छत से पीड़ित पक्ष के घर और मोहल्ले के अन्य घरों पर ईंट और पत्थर बरसाए। इसके अलावा बीयर की खाली बोतलें भी फेंकी। आरोपियों ने करीब 20 मिनट तक जमकर पथराव किया। इससे पूरे मुहल्ले में दहशत फैल गई। इससे बचने के लिए लोग अपने घरों में छिप गए। पीड़ितों के अनुसार पथराव में किसी को चोट तो नहीं नहीं आई, पथराव की चपेट में आने से घर के बाहर खड़ी कुछ लोगों की कारें भी क्षतिग्रस्त हुईं। आरोपी और पीड़ित दोनों अलग-अलग समुदाय से हैं, इसलिए पुलिस मामले में अलर्ट है। पुलिस के आने की सूचना पाकर पड़ोसी की छत से हुए फरार युवकों के बढ़ते पथराव को देखते हुए पीड़ित पक्ष ने इसकी सूचना तुरंत डायल-112 पर दी। पुलिस आने की सूचना पाकर आरोपी पड़ोस की छत से कूदकर फरार हो गए। करीब 20 मिनट में पुलिस पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। तीन लोगों को राउंड अप किया गया है। मामले के संबंध में डीसीपी एनआईटी अमित यशवर्धन व एसीपी एनआईटी महेश कुमार को अवगत कराया गया है। पत्थरबाजी से मकानों की चद्दर टूटी लोगों ने बताया कि आरोपियों ने कॉलोनी में दहशत फैला रखी है। पहले भी कई बार लोगों से झगड़ा कर चुके हैं। मंगलवार रात आरोपियों ने पीड़ित पक्ष के अलावा अन्य के मकानों पर पत्थर फेंके। इससे मकानों पर लगे सीमेंट के चद्दर टूट गए। कईयों के मकान के छत पर ईट-पत्थर लगने से नुकसान पहुंचा है। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि दो नामजद समेत आठ-10 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

क्या देश में कार बीमा प्रीमियम कम करने में गेम-चेंजर साबित होगा Bharat NCAP

परिवहन विशेष न्यूज

प्रोग्राम (भारत एनसीएपी या बीएनसीएपी) ऑटोमोबाइल दुर्घटना सुरक्षा के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए भारत का पहला स्वदेशी कार्यक्रम है। यह पहल भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग को वैश्विक सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जबकि यह भारत को अमेरिका, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ दुनिया भर के उन चुनिंदा देशों में से एक के रूप में मानचित्र पर रखता है, जहां एक संरचित कार सुरक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया है। यह कार्यक्रम 1 अक्टूबर से शुरू होने वाला है। बड़ा सवाल यही है कि क्या इससे कार बीमा प्रीमियम पर भी असर पड़ेगा ? केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अगस्त में बहुप्रतीक्षित भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) लॉन्च किया था, जिसका उद्देश्य 3.5 टन तक के मोटर वाहनों के सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार करना है।

लागत

अधिकारियों को सुरक्षा रेटिंग के लिए भारत एनसीएपी द्वारा परीक्षण किए जाने वाले 30 कार मॉडलों के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस समय यह कार्यक्रम पूर्णतः स्वैच्छिक है। इस कार्यक्रम के तहत परीक्षण किए गए वाहनों पर भारत एनसीएपी लोगो के साथ-साथ एक स्टिकर भी होगा, जो इसकी रेटिंग प्रदर्शित करेगा। भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट सुरक्षा रेटिंग लागू करने वाली 11वीं समग्र एनसीएपी एजेंसी होगी। इसके अलावा, भारत अपनी कार दुर्घटना परीक्षण रेटिंग प्रणाली शुरू करने वाला विश्व स्तर पर पांचवां देश बन गया। अब तक विदेश में क्रैश टेस्ट के लिए कार भेजने पर एक ओईएम को औसतन 2.5 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते थे। भारत एनसीएपी के लॉन्च के साथ यह लागत घटकर लगभग 60 करोड़ रुपये हो जाएगी।

इसे समझें

व्यापक समझ के लिए, आइए सबसे पहले वाहन सुरक्षा और बीमा प्रीमियम के बीच संबंध को समझें। बीमा प्रीमियम आम तौर पर कार से जुड़े कथित जोखिम से निर्धारित होते हैं। इसलिए, यदि किसी वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की अधिक संभावना है या उसकी मरम्मत महंगी है, तो बीमा प्रीमियम अधिक होगा। दूसरी ओर, यदि किसी कार में उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ हैं जिससे दुर्घटना होने की संभावना कम हो जाती है, तो बीमा प्रीमियम तुलनात्मक रूप से कम होगा। कारों के लिए सुरक्षा रेटिंग प्रदान करना संभावित रूप से कार बीमा प्रीमियम को प्रभावित कर सकता है। उच्च भारत एनसीएपी सुरक्षा रेटिंग वाले वाहन को दुर्घटना में शामिल होने की कम संभावना माना जा सकता है, जिससे प्रीमियम कम हो जाएगा। इससे निमार्ताओं को सुरक्षित कारें बनाने और उपभोक्ताओं को उन्हें खरीदने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

भारत एनसीएपीः पात्रता मानदंड

जिन मॉडलों ने लॉन्च के बाद से 30,000 इकाइयों की संचयी बिक्री दर्ज की है, वे भारत एनसीएपी में क्रैश परीक्षण के लिए पात्र होंगे और सुरक्षा रेटिंग प्राप्त करेंगे। एम1 श्रेणी का एक वाहन जो ड्राइवर सहित आठ लोगों को ले जा सकता है और जिसका वजन 3.5 टन से कम है, इस क्रैश टेस्ट में भाग लेने के लिए पात्र है। कारों को एक से पांच स्टार के पैमाने पर रेटिंग दी जाएगी। पावरट्रेन के संदर्भ में, आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) मॉडल के अलावा सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल होंगे। परीक्षण कार्यक्रम अक्र-197 मानकों पर आधारित है।

चयन की प्रक्रिया

चयन की प्रक्रिया ओईएम द्वारा परीक्षण के लिए एक वाहन मॉडल को नामांकित करने के साथ शुरू होती है, जिसके बाद भारत एनसीएपी प्रतिनिधि विशेष मॉडल के आधार संस्करण का चयन करने के लिए विनिर्माण सुविधा या डीलर आउटलेट का दौरा करेंगे। इसके बाद एनसीएपी प्रतिनिधि केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआरटी) के समन्वय से चयनित परीक्षण इकाई को निकटतम परीक्षण केंद्र में भेजेंगे। संपूर्ण परीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद, क्रैश टेस्ट के परिणाम भारत एनसीएपी की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे और सीआईआरटी द्वारा एक प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

परीक्षण का पैरामीटर

भारत एनसीएपी ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (एआईएस) 197 के अनुसार कारों का क्रैश-टेस्ट करेगा। हालांकि यह प्रक्रिया स्वैच्छिक है, बाजार प्रतिक्रिया और विश्लेषण के आधार पर टङ्खफ्ळल द्वारा अनुशंसित कारों को क्रैश टेस्ट के लिए भारत ठउअढ को भी भेजा जा सकता है। तीन मापदंडों- वयस्क यात्री सुरक्षा (एओपी), बाल यात्री सुरक्षा (सीओपी), और कार में मौजूद सुरक्षा सहायता प्रौद्योगिकियों के मूल्यांकन के बाद एक वाहन को एक स्टार से पांच स्टार तक की रेटिंग दी जाएगी। पहले दो मापदंडों की गणना तीन अलग-अलग प्रकार के परीक्षणों की मदद से की जाएगी, जिसमें फ्रंटल ऑफसेट परीक्षण भी शामिल है, जहां एक वाहन को 64 किमी प्रति घंटे की गति से चलाया जाता है और 40% ओवरलैप के साथ एक विकृत बाधा में चलाया जाता है।

New Hyundai Verna ने किया कमाल, बनी पहली Made in India कार

परिवहन विशेष न्यूज

हुंडई वर्ना ने ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) परीक्षण में पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। यह भारत एनसीएपी के कार्यभार संभालने से पहले जीएनसीएपी द्वारा परीक्षण की जा रही अंतिम कारों में से एक है। वर्ना ने वयस्क और बच्चों की सुरक्षा के लिए एक आदर्श एनसीएपी रेटिंग हासिल की है। यह स्वैच्छिक परीक्षण भारत एनसीएपी द्वारा वर्ष के अंत में अपना परीक्षण शुरू करने से पहले अंतिम परिणामों में से एक है। जीएनसीएपी ने बेस स्पेसिफिकेशन वर्ना का उपयोग किया जिसमें मानक के रूप में ईएससी और छह एयरबैग हैं - कुछ ऐसा जो पांच सितारा रेटिंग के लिए आवश्यक है। परीक्षण किया गया मॉडल भारतीय बाजार में बिक्री के लिए भारत में बनाया गया था।

जैसा कि कहा गया है, जीएनसीएपी ने ध्यान दिया कि संरचना अस्थिर थी। यह रेटिंग उच्च पैदल यात्री सुरक्षा और साइड इम्पैक्ट पोल सुरक्षा आकलन के साथ-साथ फ्रंटल और साइड इम्पैक्ट सुरक्षा के लिए दी गई है। शीर्ष रेटिंग हासिल करने वाली कारों के लिए यह आवश्यक है, जो कि पांच सितारा है। वर्ना फाइव स्टार स्कोर पाने वाली पहली हुंडई कार है। यह भी ध्यान दिया गया कि ड्राइवर के सिर और गर्दन की सुरक्षा अच्छी थी। ड्राइवर और यात्री के घुटनों में भी मामूली सुरक्षा दिखी। वर्ना का मुकाबला वोक्सवैगन वर्टस और स्कोडा स्लाविया जैसी कारों से है, जिन्हें जीएनसीएपी द्वारा पांच सितारा रेटिंग भी मिली है।

Bharat NCAP क्या है

भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी या बीएनसीएपी) ऑटोमोबाइल दुर्घटना सुरक्षा के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए भारत का पहला स्वदेशी कार्यक्रम है। यह पहल भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग को वैश्विक सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जबकि यह भारत को अमेरिका, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ दुनिया भर के उन चुनिंदा देशों में से एक के रूप में मानचित्र पर रखता है, जहां एक संरचित कार सुरक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अगस्त में बहुप्रतीक्षित भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) लॉन्च किया था, जिसका उद्देश्य 3.5 टन तक के मोटर वाहनों के सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार करना है।

इन पांच तरीकों से रखें अपने स्कूटर का ध्यान, मिलेगा सबसे ज्यादा एवरेज

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में बड़ी संख्या में दो पहिया वाहनों का उपयोग होता है। इनमें से स्कूटर का भी काफी ज्यादा उपयोग किया जाता है। लेकिन अक्सर लोग कम एवरेज से परेशान रहते हैं। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अगर आप भी कुछ बातों का ध्यान रखें तो किस तरह से एवरेज को बेहतर किया जा सकता है।

समय पर सर्विस

अक्सर लोग अपने स्कूटर की सर्विस समय पर नहीं करवाते, जिसकी वजह से इंजन पर बुरा असर पड़ता है। इंजन पर खराब असर होने के कारण स्कूटर में तेल की खपत बढ़ जाती है। अगर आप भी सर्विस करवाना भूल जाते हैं, तो ऐसे में स्कूटर की मैनुअल बुक को देखा जा सकता है। उसमें जानकारी होती है कि आपको स्कूटर की सर्विस कब करवानी चाहिए।

साफ रखें फिल्टर

सर्विस के समय तो एयर फिल्टर की सफाई होती ही है, लेकिन अगर आप बीच में भी एयर फिल्टर को साफ करवाते हैं, तो भी एवरेज को बढ़ाने में मदद मिलती है। कोशिश कीजिये कि हर 500-1000 किलोमीटर के बाद एयर फिल्टर की सफाई करा लें। शहरों में इतना ज्यादा प्रदूषण होता है कि एयर फिल्टर जल्दी गंदा होने लगता है। अगर इसे नियमित तौर पर साफ किया जाएगा तो इंजन की परफॉरमेंस के साथ ही एवरेज में भी इजाफा होगा।

कितनी स्पीड है सही

बेहतर एवरेज लेने के लिए हमेशा स्कूटर को तय स्पीड में ही चलाना चाहिए। इससे एवरेज सही रखने में मदद मिलती है। जानकारों के मुताबिक स्कूटर की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक ही रखनी चाहिए। इस स्पीड में स्कूटर चलाने पर इंजन बेहतर तरीके से काम करता है और ईंधन की खपत भी कम हो जाती है जिससे एवरेज बढ़ता है। तय स्पीड में चलाने पर बेहतर एवरेज मिलने के साथ ही स्कूटर पर पूरा कंट्रोल रहता है और दुघर्टना होने का खतरा भी काफी कम हो जाता है।

स्पार्क प्लग भी रखें साफ

स्कूटर के इंजन तक सही मात्रा में करंट पहुंचाने के लिए स्पार्क प्लग का उपयोग किया जाता है। ऐसे में स्पार्क प्लग की सफाई भी बेहद जरूरी होती है। अगर यह साफ ना हो तो इंजन तक करंट पहुंचने में परेशानी होती है और इसका असर एवरेज पर भी होता है। इसलिए समय-समय पर स्पार्क प्लग को चेक करें और जरुरत पड़ने पर बदलें।

ज्यादा भार ना डालें

कुछ लोग अपने स्कूटर का उपयोग कार की तरह करते हैं। या तो ज्यादा लोगों के साथ सफर करते हैं या फिर क्षमता से ज्यादा सामान लेकर चलते हैं। इस तरह से लापरवाही बरतने पर स्कूटर का एवरेज काफी कम हो जाता है। इसके अलावा पुलिस की ओर से चालान भी काटा जा सकता है और सड़क पर अन्य वाहनों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ता है।

दिल्ली एलजी ने इलेक्ट्रिक वाहन योजना को दी मंजूरी, जानें क्या होंगे फायदे

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। शहर के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 'दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर स्कीम 2023' को मंजूरी दे दी है। यह योजना 2030 के बाद एग्रीगेटर्स, डिलीवरी सर्विस और ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले वाणिज्यिक वाहन बेड़े को शून्य-उत्सर्जन इलेक्ट्रिक वाहनों में तेजी से बदलने को अनिवार्य बनाती है।

यह योजना दिल्ली में 25 या अधिक वाहनों (2W, 3W और 4W, बसों को छोड़कर) वाले एग्रीगेटर्स, डिलीवरी सर्विस और ई-कॉमर्स कंपनियों पर लागू होती है। इसमें उन लोगों को शामिल किया गया है जो अपनी सर्विस के लिए उपभोक्ताओं से जुड़ने के लिए एप या वेबसाइट जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, यह योजना राजधानी में इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी सर्विस की शुरूआत के लिए रास्ता साफ करती है। इस पहल के लिए आधिकारिक अधिसूचना बाद में जारी होने की उम्मीद है।

योजना के अनुसार, एग्रीगेटर्स के पास अपने नए बेड़े में 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक 2-पहिया वाहन होने चाहिए। तिपहिया वाहनों के लिए, लक्ष्य छह महीने में 10 प्रतिशत, दो साल में 50 प्रतिशत और चार साल में 100 प्रतिशत है। 4-पहिया वाहनों के लिए, यह 6 महीने में 5 प्रतिशत, तीन साल में 50 प्रतिशत और 5 साल में 100 प्रतिशत है। पुराने और नए सभी एग्रीगेटर्स को 1 अप्रैल, 2030 तक अपने पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में शिफ्ट करना होगा।

आ गई देश की पहली Green Hydrogen Fuel Cell Bus, हरदीप पुरी ने दिखाई हरी झंडी

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज दिल्ली में भारत की पहली ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बस को हरी झंडी दिखाई। यह परियोजना ईंधन सेल बसों को संचालित करने के लिए 350 बार पर हरित हाइड्रोजन वितरित करने की भारत में पहली पहल है। ईंधन सेल बस चलाने का कार्यक्रम इंडियन ऑयल द्वारा शुरू किया गया है, क्योंकि तेल पीएसयू ने दिल्ली, हरियाणा और यूपी में चिन्हित मार्गों पर ग्रीन हाइड्रोजन द्वारा संचालित 15 ईंधन सेल बसों का परिचालन परीक्षण किया है। इस कार्यक्रम के तहत इंडिया गेट से 2 फ्यूल सेल बसों का पहला सेट लॉन्च किया गया है। इन 2 बसों के लॉन्च होने पर, इस नई तकनीक के प्रदर्शन और स्थायित्व के दीर्घकालिक मूल्यांकन के लिए सभी बसों में 3 लाख किलोमीटर से अधिक का संचयी माइलेज कवर किया जाएगा। एक बयान के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन, ऐसे कम कार्बन और आत्मनिर्भर आर्थिक मार्गों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। ई-मोबिलिटी प्रतिमान में ईंधन सेल प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभर रही है और हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन सेल के लिए ईंधन के रूप में किया जा सकता है। विद्युत रासायनिक प्रतिक्रिया एनोड पर ईंधन (हाइड्रोजन) और कैथोड पर हवा से ऑक्सीजन को पानी में परिवर्तित करती है और इलेक्ट्रॉनों के रूप में विद्युत ऊर्जा को मुक्त करती है। अन्य गतिशीलता विकल्पों की तुलना में ईंधन सेल अत्यधिक कुशल हैं। बैटरी वाहनों की तुलना में ईंधन सेल वाहनों में लंबी दूरी और कम ईंधन भरने का अंतर्निहित लाभ होता है। हाइड्रोजन गैस को संपीड़ित किया जाता है और सिलेंडर में जहाज पर संग्रहीत किया जाता है, आमतौर पर 350 बार के दबाव पर। हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर लिखा कि भारत का भविष्य, भविष्य का ईंधन। भारत का भविष्य भविष्य के ईंधन का जश्न मनाता है! प्रथम हरित हाइड्रोजन ईंधन सेल बस को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर उत्साही स्कूली बच्चे भी शामिल हुए!

ईंधन सेल वाहनों में बैटरी चालित वाहनों की तुलना में लंबी दूरी और कम ईंधन भरने का समय जैसे फायदे होते हैं। हाइड्रोजन गैस को उच्च दबाव पर, आमतौर पर 350 बार पर, जहाज पर संग्रहित किया जाता है। पीआईबी के बयान में कहा गया है कि एक बार जब ये पहली दो बसें लॉन्च हो जाएंगी, तो दीर्घकालिक प्रदर्शन और स्थायित्व आकलन के दौरान वे सामूहिक रूप से 3 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगी।

इन परीक्षणों के माध्यम से उत्पन्न डेटा एक मूल्यवान राष्ट्रीय संसाधन के रूप में काम करेगा, जो हरित हाइड्रोजन द्वारा संचालित भारत में शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता के भविष्य को आकार देगा।

भारत की जी-20 अध्यक्षता

जी-20 का अध्यक्ष बनने के बाद, भारत ने दुनिया के सामने जीडीपी-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर मानव-केंद्रित प्रगति का विजन प्रस्तुत किया। भारत ने दुनिया को यह याद दिलाने प्रयास किया कि कौन सी चीजें हमें जोड़ती हैं। हमारा फोकस इस बात पर नहीं था कि कौन सी चीजें हमें विभाजित करती हैं। अंततः, भारत के इन प्रयासों का परिणाम आया, वैश्विक संवाद आगे बढ़ा और कुछ देशों के सीमित हितों के ऊपर कई देशों की आकांक्षाओं को महत्व दिया गया। जैसा कि हम जानते हैं, इसके लिए बहुपक्षवाद में मूलभूत सुधार की आवश्यकता थी। समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई-उन्मुख और निर्णायक - ये चार शब्द जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत के दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं। नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (एनडीएलडी), जिसे सभी जी-20 सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया है, इन सिद्धांतों पर कार्य करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। समावेश की भावना हमारी अध्यक्षता के केंद्र में रही है। जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ (एयू) को शामिल करने से 55 अफ्रीकी देशों को इस समूह में जगह मिली है, जिससे इसका विस्तार वैश्विक आबादी के 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस सक्रिय कदम से वैश्विक चुनौतियों और अवसरों पर जी-20 में विस्तार से बातचीत को बढ़ावा मिला है। भारत द्वारा अपनी तरह की पहली बैठक ह्लवॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिटह्व ने बहुपक्षवाद की एक नई शुरूआत की। इस बैठक के दो संस्करण आयोजित हुए। भारत अंतर्राष्ट्रीय विमर्श में ग्लोबल साउथ के देशों की चिंताओं को मुख्यधारा में लाने में सफल रहा। इससे एक ऐसे युग की शुरूआत हुई है, जहां विकासशील देशों को ग्लोबल नरैटिव की दिशा तय करने का उचित अवसर प्राप्त होगा। समावेशिता की वजह से ही जी-20 में भारत के घरेलू दृष्टिकोण का भी प्रभाव दिखा। इस आयोजन ने लोक अध्यक्षता का स्वरूप ले लिया, जोकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने की दृष्टि से बिल्कुल सही था। ह्लजनभागीदारीह्व कार्यक्रमों के माध्यम से, जी-20 1.4 बिलियन नागरिकों तक पहुंचा और इस प्रक्रिया में सभी राज्यों एवं केन्द्र-शासित प्रदेशों (यूटी) को भागीदार के रूप में शामिल किया गया। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि मुख्य विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान जी-20 के दायित्वों के अनुरूप विकास के व्यापक लक्ष्यों की ओर हो। 2030 के एजेंडे को ध्यान में रखते हुए भारत ने, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) में तेजी लाने के लिए जी-20 का 2023 एक्शन प्लान पेश किया। इसके लिए भारत ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता सहित परस्पर जुड़े मुद्दों पर एक व्यापक एक्शन ओरिएंटेड दृष्टिकोण अपनाया। इस प्रगति को संचालित करने वाला एक प्रमुख क्षेत्र मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) है। इस मामले में आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल इनोवेशन के क्रांतिकारी प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाले भारत ने निर्णायक सिफारिशें दीं। जी-20 के माध्यम से, हमने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी को सफलतापूर्वक पूरा किया जोकि वैश्विक तकनीकी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। कुल 16 देशों के 50 से अधिक डीपीआई को शामिल करने वाली यह रिपॉजिटरी, समावेशी विकास की शक्ति का लाभ उठाने के लिए ग्लोबल साउथ को डीपीआई का निर्माण करने, उसे अपनाने और व्यापक बनाने में मदद करेगी। डल्ली एं१ इँ की भावना के तहत, हमने तात्कालिक, स्थायी और न्यायसंगत बदलाव लाने के महत्वाकांक्षी एवं समावेशी लक्ष्य पेश किए। घोषणा का ह्यग्रीन डेवलपमेंट पैक्टह्न एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करके भुखमरी से निपटने और पृथ्वी की रक्षा के बीच चुनाव करने की चुनौतियों का समाधान करता है। इस रोडमैप में रोजगार एवं इकोसिस्टम एक-दूसरे के पूरक हैं, उपभोग जलवायु परिवर्तन के प्रति सचेत है और उत्पादन पृथ्वी के अनुकूल है। साथ ही, जी-20 घोषणा में 2030 तक रीन्यूबल एनर्जी की वैश्विक क्षमता को तीन गुना करने का महत्वाकांक्षी आह्वान किया गया है। ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस की स्थापना और ग्रीन हाइड्रोजन को अपनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास के साथ एक स्वच्छ एवं हरित दुनिया बनाने संबंधी जी-20 की महत्वाकांक्षाएं निर्विवाद हैं। यह हमेशा से भारत का मूल्य रहा है और सतत विकास के लिए जीवनशैली (छ्रह्र) के माध्यम से, दुनिया हमारी सदियों पुरानी परंपराओं से लाभान्वित हो सकती है। इसके अलावा घोषणापत्र में जलवायु न्याय और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है, जिसके लिए ग्लोबल नॉर्थ से पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता देने का अनुरोध किया गया है। पहली बार विकास के वित्तपोषण से जुड़ी कुल राशि में भारी बढ़ोतरी की जरूरत को स्वीकार किया गया जो अरबों डॉलर से बढ़कर खरबों डॉलर हो गई है। जी-20 ने यह माना कि विकासशील देशों को वर्ष 2030 तक अपने ह्यराष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी)ह्न को पूरा करने के लिए 5.9 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता है। इतने ज्यादा संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए जी-20 ने बेहतर, ज्यादा विशाल और अधिक प्रभावकारी मल्टीलैटरल डेवलपमेंट बैंक के महत्व पर विशेष जोर दिया। इसके साथ-साथ भारत संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को लागू करने, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे प्रमुख संस्थानों के पुनर्गठन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है

तरह-तरह के ग्राहक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दुनिया विभिन्न प्रकार के ग्राहकों से या यूँ कहें कि नमूनों से भरी है, प्रत्येक की अपनी अनूठी विशिष्टताएँ और व्यवहार हैं। एक व्यवसाय स्वामी या कर्मचारी के रूप में, उनके साथ व्यवहार करना मनोरंजक और थका देने वाला दोनों हो सकता है। यहाँ, हम आपके सामने आने वाले कुछ सबसे सामान्य प्रकार के ग्राहकों पर एक विनोदी नजर डालेंगे। एक ग्राहक होता है शिकायतकर्ता। इस ग्राहक के पास शिकायत करने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है, चाहे वह कितना भी मामूली क्यों न हो। चाहे वह कमरे का तापमान हो, प्रतीक्षा समय हो, या पैकेजिंग का रंग हो, उन्हें शिकायत करने के लिए कुछ न कुछ मिल ही जाएगा। शिकायतकर्ता से निपटने के लिए बहुत धैर्य और अच्छे हास्य की आवश्यकता होती है। अक्सर, सबसे अच्छा तरीका सहानुभूतिपूर्वक सिर हिलाना, बहुत माफी मांगना और उन्हें संतुष्ट करने के लिए छूट या मुफ्त उपहार की पेशकश करना है। दूसरे प्रकार का होता है अधीर। यह ग्राहक हमेशा जल्दी में रहता है और किसी भी चीज के लिए इंतजार नहीं कर सकता। वे कतार में प्रतीक्षा करते समय बेसब्री से अपने पैर थपथपाते हैं, और यदि उन्हें कुछ मिनटों से अधिक इंतजार करना पड़ता है तो वे जोर से चिल्लाते हैं। अधीर ग्राहक से निपटने के लिए दक्षता और गति की आवश्यकता होती है। इन ग्राहकों को खुश रखने और उन्हें और अधिक अधीर होने से रोकने के लिए तेजी से और कुशलता से आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। तीसरे प्रकार का ग्राहक बड़ा शक्की मिजाजी होता है। यह ग्राहक कभी भी अपना मन नहीं बना पाता। वे मेनू या अलमारियों को ब्राउज करते हुए, लाखों प्रश्न पूछते हुए, उम्र बिता देते हैं, और फिर भी यह तय नहीं कर पाते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। ऐसा लगता है कि वे कुछ बेहतर खोने के डर से खरीदारी करने से डरते हैं। अनिर्णायक ग्राहक से निपटने के लिए बहुत धैर्य और एक सौम्य मार्गदर्शक हाथ की आवश्यकता होती है। सुझाव देना और उनकी पसंद को सीमित करने में मदद करना एक बड़ी मदद हो सकती है। चौथे प्रकार का ग्राहक होता है झ मिलनसार। यह ग्राहक आपका सबसे अच्छा दोस्त बनना चाहता है. वे आपसे बातचीत करते हैं, आपसे व्यक्तिगत प्रश्न पूछते हैं, और आम तौर पर एक विशिष्ट ग्राहक-कर्मचारी संबंध की सीमाओं का उल्लंघन करते हैं। अत्यधिक मैत्रीपूर्ण ग्राहक के साथ व्यवहार करने के लिए मैत्रीपूर्ण लेकिन दृढ़ दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

क्यों बढ़ रही है देश में आत्म हत्याओं की घटनाएं

लेखक : अशोक भाटिया

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार ये आंकड़े सामने आए हैं। पेशे या करियर से संबंधित समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत और वित्तीय नुकसान देश में आत्महत्या की घटनाओं के मुख्य कारण हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2020 में आत्महत्या के कुल 1,53,052 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में सात प्रतिशत अधिक कुल 1,64,033 मामले दर्ज किए गए थे।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में 10वीं क्लास की एक स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली है। लड़के ने कथित तौर पर अपनी अम्मी के दुपट्टे का इस्तेमाल कर फांसी लगा ली। घटना 21 नवंबर की है, जब नाबालिग घर पर अकेला था और उसने दुपट्टे का इस्तेमाल कर फांसी लगा ली। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि लड़का सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय था। नागझिरी थाना प्रभारी कमल सिंह गहलोत ने कहा, स्टूडेंट का मोबाइल जब्त कर लिया गया है और इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप से जानकारी जुटाए जा रहे हैं। सुसाइड के पीछे अभी तक कोई ठोस आधार नहीं मिला है।कोटा राजस्थान में लगातार छात्रों द्वारा की जारी रही आत्महत्या की घटनाएं सुनी जा सकती है । दरअसल हमारे देश ही नहीं, पूरी दुनिया में अकेलेपन, अवसाद और आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। बल्कि यूं कहना ठीक होगा कि आत्महत्या एक महामारी का रूप धरती जा रही है। लोग कई वजहों से आत्महत्या करते हैं, ऐसे में अगर उन्हें समय रहते पेशेवर सहायता मिल जाए, दोस्त-परिवार वाले उनकी मदद करें तो हम आत्महत्या के मामलों को कम कर सकते हैं। पिछले साल दुनियाभर में आठ लाख लोगों ने आत्महत्या की और हमारे देश में 1,64,033 ने आत्महत्या करके अपनी जान गंवाई। समाज विज्ञान के जानकारों के अनुसार बढ़ती महंगाई तथा आम आदमी की लगातार घटती कमाई आत्महत्या के मामले बढ़ने का प्रमुख कारण है। दरअसल कमाई कम होने या रोजगार नहीं होने के कारण लोगों में तनाव बहुत बढ़ गया है, जिससे बहुत से मामलों में पारिवारिक क्लेश पैदा होता है और परिणामस्वरूप आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। वर्ष 2016 में जहां आत्महत्या के कुल 1064033 मामले दर्ज हुए थे और 2017 में 1.29 लाख लोगों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2017 से 2021 तक ये मामले 26 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 1.64 लाख से भी ज्यादा हो गए। देश में 2021 में महाराष्ट्र में आत्महत्या की सर्वाधिक घटनाएं हुईं। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश आत्महत्या के मामलों में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पूरे भारत में ऐसे 1,64,033 मामले दर्ज किए गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार ये आंकड़े सामने आए हैं। पेशे या करियर से संबंधित समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत और वित्तीय नुकसान देश में आत्महत्या की घटनाओं के मुख्य कारण हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2020 में आत्महत्या के कुल 1,53,052 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में सात प्रतिशत अधिक कुल 1,64,033 मामले दर्ज किए गए थे। इसमें कहा गया है कि आत्महत्या की दर में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल देश में महाराष्ट्र में आत्महत्या के सर्वाधिक 22,207 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद, तमिलनाडु में 18,925, मध्य प्रदेश में 14,965, पश्चिम बंगाल में 13,500 और कर्नाटक में 13,056 मामले दर्ज किए गए जो आत्महत्या के कुल मामलों का क्रमशः 13.5 प्रतिशत, 11.5 प्रतिशत, 9.1 प्रतिशत, 8.2 प्रतिशत और आठ प्रतिशत है। श में दर्ज किए गए आत्महत्या के कुल मामलों में से इन पांच राज्यों में 50.4 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। शेष 49.6 प्रतिशत मामले 23 अन्य राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों में सामने आए। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में तुलनात्मक रूप से आत्महत्या के कम मामले सामने आए जो देश में दर्ज इस तरह की घटनाओं का केवल 3.6 प्रतिशत हैं। वहीं, केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वाधिक आबादी वाली दिल्ली में 2021 में आत्महत्या के सर्वाधिक 2,840 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद पुडुचेरी में 504 मामले दर्ज किए गए। गत वर्ष देश के 53 बड़े शहरों में आत्महत्या के कुल 25,891 मामले दर्ज किए गए।देश में 2021 में प्रति एक लाख की आबादी पर आत्महत्या के मामलों की राष्ट्रीय दर 12 रही। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आत्महत्या की उच्चतम दर (39.7) दर्ज की गई। इसके बाद सिक्किम (39.2), पुडुचेरी (31.8), तेलंगाना (26.9) और केरल में यह दर 26.9 दर्ज की गई।आत्महत्या करने वालों में करीब 64 फीसदी यानी 1.05 लाख लोग ऐसे हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम थी। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक बीते वर्ष देश में कुल 164033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 118979 पुरुष, 45026 महिलाएं और 28 ट्रांसजेंडर थे। आत्महत्या करने वाली आधी से भी ज्यादा 23178 गृहिणियां थी जबकि 5693 छात्राओं और 4246 दैनिक वेतनभोगी महिलाओं ने आत्महत्या की। गृहिणियों द्वारा आत्महत्या के सर्वाधिक मामले तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्रमशः 3221, 3055, 2861 दर्ज किए गए, जो गृहिणियों द्वारा की गई आत्महत्या के मामलों का क्रमशः 13.9, 13.2 और 12.3 फीसदी है। आत्महत्या के मामलों में महिला पीड़ितों का अनुपात दहेज जैसे विवाह संबंधी मुद्दों, नपुंसकता और बांझपन में अधिक देखा गया। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 33.2 फीसदी लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण जबकि 18.6 फीसदी ने बीमारी के कारण मौत को गले लगाया। आत्महत्या के अन्य मुख्य कारणों में 6.4 फीसदी मादक पदार्थों का सेवन और शराब की लत, 4.8 फीसदी विवाह संबंधी मुद्दे, 4.6 फीसदी प्रेम प्रसंग, 3.9 फीसदी दिवालियापन या कर्ज, 2.2 फीसदी बेरोजगारी, 1.6 फीसदी पेशेवर कैरियर की समस्या, 1.1 फीसदी गरीबी और 1 फीसदी परीक्षा में असफलता शामिल रहे।

नैतिकता औ सिदान्त की बातें केवल किताबों में, जीवन से वाष्पित होते सत्य

लेखक : संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्र्व स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है । सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है।

महात्मा गांधीजी की किताब (माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ) मेरे सत्य के साथ प्रयोगमें प्रतिपादित बातेंआज वास्तविक जीवन से दूर बहुत दूर होते देखे गए हैं। सत्य और अहिंसा सही मायनों में सामाजिक जीवन से ही वाष्पित हो गए हैं। सच्चाई जीवन के हर पहलू से परे हो गई है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे ? आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज व देश में अपना परचम फैला चुका है' इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है' प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक,सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है' भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा है' व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है' समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्र्व स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है । सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है। नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है।

मातृ देवो भव, पितृ देवो भव , आचार्य देवो भव

लेखक : किशन भावनानी

अपने घर से अधिक आध्यात्मिक स्थल पर सेवा को अधिक महत्व दे रहे हैं, अपने घर परिवार माता-पिता को तरसाकार अपने आध्यात्मिकता पर अधिक व्यय कर रहे हैं और बड़े रौब से कहते हैं, मैं फलाने आध्यात्मिक स्थल का सेवादार, भगवान ईश्वर अल्लाह का भगत हूं बंदा हूं। परंतु मेरा मानना है, ये कैसी आध्यात्मिक सेवा है ? जो माता-पिता को बोझ और अनावश्यक श्रेणी में रखकर उनपर शाब्दिक कटु बाणचलाकर अपने आचार्य के सामने, अपने आध्यात्मिक स्थल पर तन-मन-धन से सेवा करते हैं। मेरा मानना है या तो पाप से भी बड़ा पाप है।

वैश्विक स्तरपर हजारों वर्षों पूर्व से ही भारतीय आध्यात्मिकता रही है, जिसका कोई अंत नहीं है, यानें मेरा मानना है कि शायद जबसे सृष्टि की रचना हुई है तबसे भारतीय भूमि पर आध्यात्मिकता को महत्व दिया जाता रहा है, क्योंकि पूर्व से पुर्वनतर वाले इतिहास भी भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता का जिक्र जरूर होगा। इसलिए शास्त्रों कतेबों एवं और संस्कृतियों में मातृ देवो भव, पितृ देवो भव आचार्य देवो भव की शिक्षा दी जाती है। हमारे घर में भी यही सीख दी जाती थी। माता-पिता और गुरु तथा बड़ों का सम्मान करना हमारी ग्रामीण संस्कृति में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। परंतु बड़े बुजुर्गों द्वारा कही कहावतें वर्तमान परिपेक्ष में अटूट सटीक सत्य प्रमाणित हो रही है कि, समय का चक्र चलते बदलते रहता है जहां शास्त्रों वेदों कतेबों और भारतीय संस्कृति में माता पिता को सर्वश्रेष्ठ गुरु माना गया है उसके बाद आचार्य को पदवी दी गई है। परंतु वर्तमान बदलते परिपेक्ष में बढ़ते आध्यात्मिक ट्रेंड में हमारे मान्यवर श्रद्धेय बाबाओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी भी आई है, वही मीडिया में आई जानकारी में हम जानते हैं कि कई पर लंबी कार्यवाही भी हुई है खैर हमारा आज का विषयवस्तु यह नहीं है बल्कि हम चर्चा करेंगे कि आज की औलाद अपने माता पिता से अधिक महत्व अपने श्रद्धेय बाबा, गुरु, आचार्य को दे रहे हैं, अपने घर से अधिक आध्यात्मिक स्थल पर सेवा को अधिक महत्व दे रहे हैं, अपने घर परिवार माता-पिता को तरसाकार अपने आध्यात्मिकता पर अधिक व्यय कर रहे हैं और बड़े रौब से कहते हैं, मैं फलाने आध्यात्मिक स्थल का सेवादार, भगवान ईश्वर अल्लाह का भगत हूं बंदा हूं। परंतु मेरा मानना है, ये कैसी आध्यात्मिक सेवा है? जो माता-पिता को बोझ और अनावश्यक श्रेणी में रखकर उनपर शाब्दिक कटु बाणचलाकर अपने आचार्य के सामने, अपने आध्यात्मिक स्थल पर तन-मन-धन से सेवा करते हैं। मेरा मानना है या तो पाप से भी बड़ा पाप है। इसलिए आज जरूरत है,हमारे श्रद्धेय आध्यात्मिक बाबाओं द्वारा अपने प्रवचनों में माता-पिता की सेवा सर्वश्रेष्ठ पर, बल देना समय की मांग है। साथियों बात अगर हम ऐसे लोगों की करें तो जो माता-पिता घरबार को नजरअंदाज करते हुए आध्यात्मिक क्षेत्र में तथाकथित सेवा करने का दिखावा कर रहे हैं तो, पता नही ! वो लोग भगवान ईश्वर अल्लाह को कैसे पूज लेते है जो मां बाप को एक बोझ और अनावश्यक वस्तु की श्रेणी में रखते हैं। मां बाप तो जीवन के अंतिम पड़ाव में केवल सेवा और प्रेम के दो मीठे वचनों को सुनने के लिए तरसते हैं। खैर !वृद्धावस्था का दंश तो सभी को झेलना ही पड़ता है।। श्री गणेश जी ने स्वयं माता पिता को ब्रह्माण्ड सिद्ध कर देवताओं का सिरमोर बना दिया था। श्रीराम ने माता पिता के वचनों की खातिर वनवास स्वीकार लिया था। पत्थर पूजते है, मंदिर जाते है, पूजा पाठ करवाते है, और वो सारी चीजे करते है जिससे हमें लगता है कि हमारा जीवन धन्य हो जाएगा लेकिन क्या हम जानते है कि ईश्वर अल्लाह हमारे पास हमेशा माता पिता के स्वरूप में होता है, बस जरूरी है उन्हें पहचाननें की, अपनी खुशियों का गला घोटकर हमारी सारी ख्वाहिश पुरी करने वाले माता पिता ही थे, जिन्होंने हमें इस समाज में जीने का अधिकार दिलाया।जब वे हमारे लिए इतना कुछ कर सकते है। तो क्या हम नही,मेरा तो ये मानना है, माता पिता के जीते जी उन्हें सारे सुख देना ही वास्तविक श्राद्ध है ! हम माँ बाप का सम्मान करें और उन्हें जीते जी खुश रखे। कुछ लोग अपने माता-पिता को एक गिलास पानी भी नहीं दे सकते हैं, किंतु साधु महात्माओं के चरण साफ कर उन्हें क्या हासिल होगा? ाथियों आज अधिकांश परिवारों में वृद्ध माता-पिता के जीवित रहने पर उनकी सेवा और चिकित्सा तो दूर, उनके साथ उपेक्षापूर्ण-पीड़ादायक व्यवहार किया जाता है। इतना ही नहीं, उनकी मृत्यु की प्रतीक्षा की जाती है।यह उपेक्षापूर्ण व निष्ठुरव्यवहार सर्वथा अनुचित है। आज वृद्धाश्रमों की बढ़ती हुई संख्या और तीर्थस्थानों में उम्रदराज भिखारियों को देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वृद्ध माता-पिता की दशा कितनी दयनीय हो गई है। कितनी लज्जा की बात है

यदि आप सही जीवन बीमा पॉलिसी चुनना चाहते हैं तो ...

परिवहन विशेष न्यूज

जीवन बीमा पॉलिसी खरीदना अब उतना आसान नहीं रह गया है जितना कि एक दशक पहले तक हुआ करता था। मसलन, पिछले लगभग दस वर्षों में जीवन बीमा पॉलिसी के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है, जिसके दृष्टिगत बीमाकर्ता अपने ग्राहकों की आधुनिक जरूरतों के साथ अधिक से अधिक जुड़ रहे हैं और अधिकाधिक उत्पाद पेश कर रहे हैं। वहीं, उपभोक्ताओं के लिए इसका मतलब है कि उनके लिए विकल्पों की भरमार है और वो अपने मनपसंद उत्पाद में निवेश कर सकते हैं।

हालांकि यह निस्संदेह एक फायदा है, जो सही प्रकार के उत्पादों और आपके लिए आवश्यक कवर की मात्रा का निर्णय करना बहुत अधिक भ्रमित करने वाला हो गया है। इसलिए यदि आप भी इस दुविधा भरी स्थिति का सामना कर रहे हैं कि आपके लिए सही कवर क्या है, तो निम्नलिखित युक्तियाँ आपके बहुत काम आएंगी। लिहाजा आप इन पर गौर कीजिए और विवेकसम्मत निर्णय लीजिए। या फिर इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की राय लीजिए।

- अपनी सभी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें और सोच-विचार करके सटीक निर्णय लें

आपके अकस्मात गुजर जाने के बाद आपके अपने परिवार को किसी भी वित्तीय परेशानी से बचाने के लिए आपको जीवन बीमा पॉलिसी की आवश्यकता है। इसलिए जीवन बीमा पॉलिसी के महत्व को कतई कम नहीं आंका जा सकता है। लिहाजा बीमा कवर की सही मात्रा तय करना अपने आपमें बहुत महत्वपूर्ण कारक है। अतएव आपको कई कारकों को ध्यान में रखते हुए इस बात पर पर्याप्त विचार करना चाहिए, जैसे कि आपके आश्रितों की संख्या, परिवार का कोई अन्य सदस्य वित्तीय जिम्मेदारियों को साझा कर रहा है या नहीं, क्या आपके छोटे बच्चे हैं जिनकी शिक्षा का ध्यान रखने की आवश्यकता है या फिर परिवार में कोई आसन्न विवाह है। इन सभी कार्यों के मद्देनजर आपको अपनी वर्तमान आय, पिछले कुछ वर्षों में आपका वेतन कितना बढ़ा है और आगे कितना बढ़ेगा तथा आपकी संपत्ति और देनदारियों पर भी विचार करना चाहिए। अंत में, आप जिस जीवनशैली का नेतृत्व करते हैं, उसके मुताल्लिक भविष्य में आपकी जो वित्तीय आवश्यकताएं हैं, उन्हें भी ध्यान में अवश्य रखें। यदि आप इन बातों को ध्यान में रखकर फैसले करेंगे, तो यह आपके पक्ष में जाएगा।

- बीमा प्रीमियम, प्रशासन और फंड प्रबंधन शुल्क, मृत्यु दर शुल्क, राइडर्स आदि के भुगतान में शामिल लागतों की पूरी जांच कर लें, तब लें निर्णय

क्या आपको पता है कि जीवन में हर चीज की तरह ही, आपको जीवन बीमा कवर खरीदते समय भी लागत कारक पर अधिकाधिक विचार करना चाहिए। क्योंकि प्रीमियम, प्रशासन और फंड प्रबंधन शुल्क, मृत्यु दर शुल्क, राइडर्स और आपको उनके लिए कितना भुगतान करने की आवश्यकता है, इसकी पूरी जांच करें और उसी के मुताबिक बार्गेनिंग करें। दरअसल, आप अपने लिए सबसे बेहतर उत्पाद चुनने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समान प्रकार के उत्पादों की तुलना करके एक अच्छा निर्णय ले रहे हैं। अमूमन इन दिनों ऐसी कई वेबसाइटें उपलब्ध हैं जो आपको नीतियों की तुलना करने और आपके लिए लागत प्रभावी पॉलिसी चुनने में मदद करती हैं। अतएव इससे पहले कि आप अपना अंतिम चुनाव करें, हर हाल में यह सुनिश्चित करें कि आपने बारीक प्रिंट को ध्यान से पढ़ लिया है और सुनिश्चित कर लिया है कि आप क्या कर रहे हैं और इससे आपको भविष्य में कितना फायदा संभाव्य होगा।

- सबसे पहले दावा निपटान अनुपात को आंकिए, फिर कीजिए जीवन बीमा कवर लेने का फैसला

कोई भी जीवन बीमा पॉलिसी खरीदने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि आपके जाने के बाद आपके प्रियजनों को किसी भी प्रकार की वित्तीय परेशानियों का सामना न करना पड़े। हालाँकि, अधिकांश लोग इस बात पर पर्याप्त विचार नहीं करते हैं कि तब क्या होगा जब बीमाकर्ता आपके परिवार के लिए वह धन प्राप्त करना ही कठिन बना दे जिसे आपने कड़ी मेहनत से अलग बचत करके रखा है। यही कारण है कि आपको हर हाल में बीमा कम्पनी के दावा निपटान अनुपात की जांच करनी चाहिए, जो प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है। कहने का तातपर्य यह कि दावा निपटान अनुपात जितना अधिक होगा, बीमाकर्ता उतना ही अधिक भरोसेमंद होगा। इसलिए किसी भी बीमा एजेंट द्वारा बताई गई बातों से प्रभावित न हों, या फिर कम प्रीमियम वाले उत्पादों की ओर आकर्षित न हों, क्योंकि वे भले ही आपकी जेब पर हल्के लगते हैं, लेकिन भविष्य में भारी भी पड़ सकते हैं। इसलिए सोच-विचार कर कदम उठाइए।

- एक साथ कई बीमा पॉलिसी लेने की अति मत करें, बल्कि अन्य निवेश उत्पादों पर भी विचार मंथन करें

जानकारों की मानें तो जीवन बीमा पॉलिसियाँ केवल आपके परिवार की सुरक्षा के उद्देश्य से खरीदी जानी चाहिए, न कि अन्य किसी उद्देश्य से। क्योंकि तब वो लाभदायक नहीं रह पाती हैं। इसलिए ऐसी कई पॉलिसियाँ खरीदने में अति न करें, खासकर उनको जो आपकी समग्र वित्तीय योजना के अनुरूप नहीं हैं। वैसे भी यदि आप अपने करों को बचाना चाहते हैं और धारा 80सी के तहत सीमाओं को पूरा करना चाहते हैं तो कई अन्य निवेश उत्पाद हैं जिन पर आप अपने करों को अधिक कुशलता पूर्वक बचाने के लिए विचार कर सकते हैं।

- आप अपनी बीमा आवश्यकताओं पर दोबारा गौर करें किसी भी जीवन बीमा कवर में निवेश करने और वित्तीय निवेश योजना बनाने का मूल नियम समय-समय पर अपने निवेश का आकलन करना है, जिसे लोग बहुधा नजरअंदाज कर देते हैं। वहीं, आपकी बीमा जरूरतों का भी समय-समय पर पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, जब आप अकेले थे तब आपने जो पॉलिसियाँ खरीदी थीं, वे तब पर्याप्त नहीं हो सकतीं जब आप शादीशुदा हों और परिवार में एक सदस्य जुड़ गया हो। चूंकि अब आप एक से तीन हो गए, साल दो साल बाद चार भी हो सकते हैं, इसलिए समय-समय पर अपनी बीमा आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करें और हर हाल में यह सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवार सुरक्षित है। आपकी अनुपस्थिति में उन्हें ज्यादा परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

भारत जलवायु परिवर्तन से पीड़ित देशों को मुआवजे के लिए एलडीएफ का दायरा बढ़ाने पर देगा जोर, सीओपी28 शुरू

दुबई में गुरुवार को जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सम्मेलन शुरू हुआ। पिछले वर्ष वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (सीओपी) 27 में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से पीड़ित विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पक्षकारों ने हानि एवं क्षति कोष बनाने पर सहमति दी थी। भारत दुबई में जारी सीओपी28 के दौरान जलवायु परिवर्तन से प्रभावित विकासशील देशों को मुआवजा देने के लिए हानि और क्षति कोष (एलडीएफ) का दायरा बढ़ाने की वकालत कर सकता है, ताकि उन्हें इसमें समाविष्ट किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। दुबई में गुरुवार को जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सम्मेलन शुरू हुआ। पिछले वर्ष वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (सीओपी) 27 में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से पीड़ित विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पक्षकारों ने हानि एवं क्षति कोष बनाने पर सहमति दी थी। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीओपी28 में वैश्विक हानि एवं क्षति कोष को क्रियाशील बनाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

फोर्ब्स की दानवीरों की लिस्ट में शामिल हुए नंदन नीलेकणि और निखिल कामथ

फोर्ब्स एशिया के दानवीरों की लिस्ट जारी करता है। आज फॉर्ब्स ने एशिया के परोपकारी नायकों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में भारत के कई दानवीरों के नाम शामिल है। आपको बता दें कि इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि डीएलएफ के मानद चेयरमैन केपी सिंह के साथ जेरोधा के 37 वर्षीय सह-संस्थापक निखिल कामथ का नाम भी शामिल है।

फोर्ब्स ने (फोर्ब्स) ने एशिया हीरोज ऑफ फिलैंथ्रॉपी लिस्ट (एशिया के परोपकारी नायकों की सूची) की 17वीं सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में इन्फोसिस (इंफोसिस) के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि, डीएलएफ (डीएलएफ) के मानद चेयरमैन केपी सिंह जैसे कई नाम शामिल है।

फोर्ब्स ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि इस अनरैंक्ड सूची में वह लोग शामिल हैं जो अपनी कमाई दान कर रहे हैं। वह अपने चुनिंदा कामों पर व्यक्तिगत समय और ध्यान दे रहे हैं। इस लिस्ट में एशिया के 15 परोपकारियों के नाम शामिल है। इसमें निजी स्वामित्व वाली कंपनियों को छोड़कर कॉरपोरेट परोपकार शामिल नहीं है। इस लिस्ट में शामिल व्यक्ति कई कंपनी के मालिक हैं।

हीरोज ऑफ फिलैंथ्रॉपी लिस्ट में शामिल नाम

इन्फोसिस के सह-संस्थापक और अध्यक्ष नंदन नीलेकणि ने जून में आईआईटी बॉम्बे को 3.2 बिलियन रुपये (38 मिलियन अमरिकी डॉलर) को दान दिया है। इस दान को लेकर फोर्ब्स ने इस दान पर कहा कि यह राशि 5 साल में दिया जाएग। यह प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ उनके 50 साल के जुड़ाव को चिह्नित करने के लिए था। यहां से उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया था।

1999 से नीलेकणि ने संस्थान को कुल मिलाकर 4 अरब रुपये दिए हैं। पिछले साल उन्होंने शिक्षण कार्य के लिए अतिरिक्त 1.6 अरब रुपये का दान दिया था।

डीएलएफ के मानद चेयरमैन केपी सिंह भी दानवीरों में से एक हैं। आपको बता दें कि केपी सिंह ने 2020 में डीएलएफ के अध्यक्ष के रूप में पद छोड़ दिया था। इसके अलावा उन्होंने रियल एस्टेट फर्म में अपनी शेष हिस्सेदारी बेच दी। अब केपी सिंह अपना समय लंदन और दुबई के बीच बिताते हैं। उनके पास लगभग 14 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है।

के.पी. सिंह फाउंडेशन ट्रस्ट और के.पी. सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट 2020 में लॉन्च हुआ।

फोर्ब्स की परोपकार सूची में निखिल कामथ ने भी जगह बनाई है। वह इस साल जून में गिविंग प्लेज पहल में शामिल हुए थे। उन्होंने अपने शपथ पत्र में कहा था कि वह जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे परेशानियों से निपटने के लिए दान कर रहे हैं। आपको बता दें कि कामथ जेरोधा के 37 वर्षीय सह-संस्थापक है।

कामथ की यूट्यूब पॉडकास्ट श्रृंखला 'डब्ल्यूटीएफ इज' 10 मिलियन रुपये (120,000 अमेरिकी डॉलर) तक दे रही है। यह राशि कामथ और उनके शो के मेहमान बिजनेस लीडर्स द्वारा दर्शकों द्वारा चुनी गई एक चैरेटी को दी गई है। कामथ के पास लगभग 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है। वे 40 मिलियन रुपये तक दान करने की योजना बना रहे हैं।

क्या है वरिष्ठ नागरिक बचत योजना और इसके लाभ

परिवहन विशेष न्यूज

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना एक सेवानिवृत्ति लाभ योजना है जो भारत सरकार द्वारा समर्थित है। भारतीय वरिष्ठ नागरिक जो व्यक्तिगत या संयुक्त रूप से योजना में एकमुश्त निवेश करते हैं, इसका लाभ उठा सकते हैं। यह 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए एक सरकार प्रायोजित बचत साधन है। भारत सरकार ने 2004 में इस योजना की शुरूआत की थी, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सेवानिवृत्ति के बाद के चरण के लिए आय का एक स्थिर और सुरक्षित स्रोत प्रदान करना था। यह भारत में सबसे आकर्षक बचत योजनाओं में से एक है और अपने ग्राहकों को तुलनात्मक रूप से पर्याप्त रिटर्न प्रदान करती है। व्यक्ति एससीएसएस के लिए डाकघरों के साथ-साथ सार्वजनिक और निजी बैंकों के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की विशेषताएं वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की विशेषताओं पर नीचे चर्चा की गई है ब्याज दरों का त्रैमासिक संशोधन वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत दी जाने वाली ब्याज दर हर तिमाही में संशोधित की जाती है और इसकी व्युत्पत्ति कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे बाजार में प्रचलित दरें, मुद्रास्फीति का स्तर, आदि। स्थिर आर्थिक स्थितियों या इसमें कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने के कारण संशोधन निश्चित आय निवेश के समय घोषित ब्याज दर पूरी परिपक्वता अवधि के दौरान स्थिर रहती है और बाद की तिमाही में परिवर्तन से प्रभावित नहीं होती है। न्यूनतम और अधिकतम जमा पात्र व्यक्तियों को वरिष्ठ नागरिक योजना के तहत खाता खोलने के लिए रु.1,000 न्यूनतम राशि जमा करने की आवश्यकता होती है। जमा राशि 30 लाख रुपये या सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में प्राप्त राशि, जो भी कम हो पर कैपिंग की गयी है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति को सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में 10 लाख रुपये मिलते हैं तो वह उस राशि तक योजना में निवेश कर सकता है। चाहे यह खाता व्यक्तिगत रूप से रखा गया है या संयुक्त रूप से। साथ ही, यदि कोई व्यक्ति इस योजना के तहत कई खाते रखता है, तो ऐसे सभी खातों में जमा की गई कुल राशि अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगी। परिपक्वता अवधि रउरर योजना की परिपक्वता अवधि 5 वर्ष है। इसे अगले 3 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है, जिससे प्रभावी रूप से यह अवधि 8 वर्ष तक हो जाएगी। यदि कोई व्यक्ति ऐसी अवधि को 3 साल तक बढ़ाने का इच्छुक है, तो उसे विधिवत भरने के बाद फॉर्म बी जमा करना होगा। विस्तार की अनुमति केवल एक बार दी जाती है। हालाँकि, विस्तार पर उस तिमाही में लागू ब्याज दरें लागू होंगी। समय से पहले निकासी और खाता बंद करना खाता खोलने के एक साल बाद कोई भी व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत अपने खाते से समय से पहले निकासी कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति 2 वर्ष पूरा होने से पहले अपना खाता बंद कर देता है तो जमा राशि का 1.5% जुमार्ने के रूप में काट लिया जाएगा। यदि 2 वर्ष पूरे होने के बाद खाता बंद किया जाता है तो जमा राशि का 1% जुमार्ना के रूप में लगाया जाता है। विस्तारित खातों के मामले में कोई व्यक्ति बिना कोई जुमार्ना लगाए पहले वर्ष के बाद अपना खाता बंद कर सकता है। त्रैमासिक संवितरण जो व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत खाता खोलते हैं वे अपनी जमा राशि के विरुद्ध त्रैमासिक भुगतान प्राप्त करने के पात्र होते हैं। ब्याज भुगतान किसी व्यक्ति के खाते में अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर और जनवरी की पहली तारीख को जमा किया जाता है। जमा करने का तरीका यदि राशि 1 लाख.रुपये से कम है तो कोई व्यक्ति अपना पैसा नकद में जमा कर सकता है। 1 लाख रुपये से अधिक होने पर चेक से भुगतान करना होगा। नामांकन सुविधा व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत अपना खाता खोलते समय या बाद की तारीख में एक नामांकित व्यक्ति को पंजीकृत कर सकते हैं। खाताधारक की मृत्यु की स्थिति में खाता परिपक्व होने से पहले नामांकित व्यक्ति देय राशि प्राप्त करने का पात्र होगा। पूंजी की सुरक्षा एससीएसएस योजना एक सरकार द्वारा समर्थित योजना है और इसलिए इसमें निवेश की गई पूंजी को उत्कृष्ट सुरक्षा और गारंटी मिलती है।

पर्याप्त रिटर्न एससीएसएस ऐतिहासिक रूप से अपने ग्राहकों को अन्य बचत योजनाओं, जैसे कि सावधि जमा, आवर्ती जमा आदि द्वारा दी जाने वाली दरों के बराबर ब्याज प्रदान करने के लिए जाना जाता है। वर्तमान में रउरर ब्याज दर 8.20% प्रति वर्ष है। एससीएसएस पात्रता एससीएसएस के लिए पात्रता मानदंड इस प्रकार हैं:

- एक व्यक्ति जो एससीएसएस खाता खोलने के समय 60 वर्ष या उससे अधिक की आयु प्राप्त कर चुका है।
- ऐसे व्यक्ति जो 55 वर्ष की आयु तक पहुँच चुके हैं, लेकिन 60 वर्ष से कम आयु के हैं और सुपरअनुएशन पर सेवानिवृत्त हो चुके हैं, एससीएसएस खाता खोलने के लिए पात्र हैं।
- ऐसे व्यक्ति जो 55 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हैं और एससीएसएस नियमों के लागू होने से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इस योजना के तहत पात्र हैं।
- अनिवासी भारतीय (एनआरआई) एससीएसएस खाता खोलने के पात्र नहीं हैं।
- हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) भी एससीएसएस खाता खोलने के पात्र नहीं हैं।

एससीएसएस के लाभ

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के कुछ प्रमुख लाभ यहां दिए गए हैं-

- ससीएसएस खाता देश के किसी भी डाकघर या अधिकृत बैंक में आसानी से खोला जा सकता है।

- एससीएसएस को सुरक्षित और विश्वसनीय माना जाता है क्योंकि यह सरकार द्वारा प्रायोजित निवेश योजना है।

- यह योजना उच्च ब्याज दर प्रदान करती है।
- एससीएसएस खाते का कार्यकाल पांच वर्ष है जिसे अगले तीन वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना: लाभ और ऑनलाइन कैसे खरीदें

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीयों के लिए सोने के प्रति जो लगाव है वह उसके बाजार मूल्य से कहीं अधिक है। अब बिना किसी अंतर्निहित जोखिम या शुल्क के बिना सोना रखने के तरीके मौजूद हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेश किया जाने वाला एक ऐसा विकल्प है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड क्या है? भारत सरकार ने भौतिक सोने के लिए वैकल्पिक निवेश की पेशकश करने के लिए नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना शुरू की थी। एसजीबी न केवल परिसंपत्ति के निर्यात-आयात मूल्य को ट्रैक करते हैं बल्कि साथ ही पारदर्शिता भी सुनिश्चित करते हैं। एसजीबी सरकारी प्रतिभूतियां हैं और सुरक्षित मानी जाती हैं। उनका मूल्य सोने के ग्राम के गुणकों में दशार्या गया है। एसजीबी में निवेशकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और इसे भौतिक सोने का विकल्प माना जा रहा है। यदि आप एसजीबी खरीदना चाह रहे हैं तो आपको बस सेबी-अधिकृत एजेंट या ब्रोकर से संपर्क करना होगा। एक बार जब आप बांड को भुना लेते हैं, तो कॉर्पस (मौजूदा बाजार मूल्य के अनुसार) आपके पंजीकृत बैंक खाते में जमा कर दिया जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की विशेषताएं पात्रता मापदंडः कोई भी भारतीय निवासी - व्यक्ति, ट्रस्ट, एचयूएफ, धर्मार्थ संस्थान और विश्वविद्यालय - एसजीबी में निवेश कर सकते हैं। आप किसी नाबालिग की ओर से भी निवेश कर सकते हैं। बॉन्ड जारी करनाः केंद्र सरकार की ओर से केवल भारतीय रिजर्व बैंक ही एसजीबी जारी कर सकता है और उनका स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार किया जाता है। यह एक ग्राम सोने के गुणकों में जारी किया जाता है। निवेशकों को इसके लिए होल्डिंग सर्टिफिकेट मिलेगा और आप इसे डीमैट फॉर्म में भी बदल सकते हैं।

केवाईसी दस्तावेजीकरणः जब आप भौतिक सोना खरीदते हैं तो आपको उसी नो-योर-कस्टमर (केवाईसी) मानदंडों का पालन करना होगा। आपको सत्यापन के लिए पहचान प्रमाण जैसे, पैन कार्ड और पते के प्रमाण जैसे पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या मतदाता पहचान पत्र की प्रतियां जमा करके केवाईसी पूरा करना होगा। पूंजीगत लाभः सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर ब्याज आईटी अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार कर योग्य है। एसजीबी मोचन के मामले में किसी व्यक्ति पर लागू पूंजीगत लाभ कर से छूट दी गई है। इसके अलावा उत्पन्न दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को निवेशक को इंडेक्सेशन लाभ की पेशकश की जाती है या बांड को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में स्थानांतरित करते समय दिया जाता है। मोचन मूल्यः पिछले तीन कार्य दिवसों में 999 शुद्धता वाले सोने के औसत समापन मूल्य के आधार पर मोचन मूल्य रुपये में होना चाहिए। बिक्री चैनलः सरकार बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और चयनित डाकघरों के माध्यम से बांड बेचती है। एसजीबी का व्यापार सीधे या मध्यस्थों के माध्यम से मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया या बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) के माध्यम से भी होता है। कमीशनः प्राप्तकर्ता कार्यालय बांड वितरण के लिए कमीशन के रूप में कुल सदस्यता राशि का 1% लगाएंगे। इस कमीशन में से वे कम से कम आधा हिस्सा मध्यस्थों (एजेंटों या दलालों) के साथ साझा करेंगे। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की अधिकतम सीमा बांड का मूल्य सोने के ग्राम के गुणकों में आंका जाता है, जिसमें मूल इकाई 1 ग्राम है। न्यूनतम प्रारंभिक निवेश 1 ग्राम सोना होता है और ऊपरी सीमा 4 किलोग्राम सोना प्रति निवेशक (व्यक्तिगत और एचयूएफ) है। ट्रस्टों और विश्वविद्यालयों जैसी संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम सोने के निवेश की अनुमति दी गयी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड ऑनलाइन कैसे खरीदें? कोई व्यक्ति सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए अपने बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), नामित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, जैसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड से या तो सीधे या एजेंटों के माध्यम से आवेदन कर सकता है। एसजीबी को बेचने के लिए अधिकृत वाणिज्यिक बैंकों की वेबसाइटों के माध्यम से भी ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। बैंक की ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से एसजीबी खरीदने की प्रक्रिया इस प्रकार हैः

- बैंक के इंटरनेट बैंकिंग खाते में लॉग इन करें।
- 'ई-सर्विस' विकल्प पर क्लिक करें और 'सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड' विकल्प चुनें।
- नियम और शर्तें पढ़ें और 'आगे बढ़ें' विकल्प पर क्लिक करें।
- पंजीकरण फॉर्म भरें और 'सबमिट' बटन पर क्लिक करें।
- खरीद फॉर्म में नामांकित व्यक्ति का विवरण और सदस्यता मात्रा दर्ज करें।
- सभी विवरण सत्यापित करने के बाद 'सबमिट' विकल्प पर क्लिक करें।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लाभ

- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में बाजार जोखिमों को छोड़कर भौतिक सोने से जुड़ा कोई जोखिम नहीं है।
- इस पर आप 2.50% (निर्गम मूल्य पर) की दर से गारंटीशुदा वार्षिक ब्याज अर्जित कर सकते हैं; यह नवीनतम निर्धारित दर है।
- दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ तब उत्पन्न होता है जब निवेशक बांड हस्तांतरित करते हैं और इंडेक्सेशन लाभ के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं। मूलधन और अर्जित ब्याज पर भी सॉवरेन गारंटी होती है।
- निवेश के पांच साल पूरे होने के बाद आप उन्हें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज या बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज सहित अन्य में व्यापार कर सकते हैं।
- इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड इसका निर्धारण करता है।

भारत में सर्वोत्तम शिक्षा ऋण देने वाले बैंकों और उनकी ऋण योजनाओं

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में छात्रों के लिए उपलब्ध शिक्षा ऋण सरकारी प्रोत्साहन पर उपलब्ध एक बैंक प्रदत्त वित्तीय सहायता विकल्प हैं जो छात्रों को अपनी शिक्षा शुल्क एवं सम्बन्धित विभिन्न मदों का भुगतान करने के लिए पैसे उधार लेने की अनुमति देते हैं। आम तौर पर ये ऋण बैंकों, क्रेडिट यूनियनों या अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जिसका उपयोग ट्यूशन, फीस, आवास और अन्य शिक्षा-संबंधी खर्चों को कवर करने के लिए किया जा सकता है।

भारत में उन छात्रों के लिए विभिन्न शिक्षा ऋण उपलब्ध हैं, जिन्हें अपनी उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। इस नजरिए से ट्यूशन फीस, आवास, यात्रा और अध्ययन के पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने से संबंधित अन्य अतिरिक्त खर्चों को कवर करने के लिए बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य ऋण देने वाली एजेंसियों से शिक्षा ऋण लिया जा सकता है।

हालांकि, भारत में शिक्षा ऋण के लिए आवेदन करने के लिए, आपको विशिष्ट पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगा, जैसे कि भारतीय नागरिक होना, उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड होना और वित्तीय आवश्यकता का प्रदर्शन करना आदि। इसके अलावा, ऋणदाता और ऋण राशि के आधार पर, आपको संपार्श्विक या सह-हस्ताक्षरकर्ता प्रदान करने की भी आवश्यकता हो सकती है।

भारत में सर्वोत्तम शिक्षा ऋण देने वालों में पंजाब नेशनल बैंक शिक्षा ऋण, एसबीआई शिक्षा ऋण, एक्सिस बैंक शिक्षा ऋण, बैंक ऑफ बड़ौदा शिक्षा ऋण और एचडीएफसी बैंक शिक्षा ऋण योजनाएं अग्रणी हैं।

- शिक्षा ऋण के लिए पात्रता मानदंड

भारत के नागरिक, गैर-भारतीय निवासी (एनआरआई), भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई), भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) और विदेश में भारतीय माता-पिता से पैदा हुए छात्र, जो भारत में अध्ययन करना चाहते हैं। यहां नर्सरी से कक्षा 12 तक, स्वीकृत स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रम, डॉक्टरेट पाठ्यक्रम, पीएचडी, डिप्लोमा पाठ्यक्रम, आदि। जिसके लिए बैंक आवासीय या वाणिज्यिक संपत्ति, प्लॉट, सावधि जमा और बीमा आदि जमानत के तौर पर रखते हैं। वहीं, भारत में शिक्षा ऋण अनुमोदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों की एक सूची इस प्रकार है, जिसमें डिग्री और अंक पत्र के मूल सर्टिफिकेट की छायाप्रति, आवासीय पता का प्रमाण, पैन कार्ड, सम्बन्धित स्कूल-कॉलेज के विवरण, अभिभावकों के विवरण से सम्बन्धित दस्तावेज आदि प्रमुख हैं।

- भारत में शिक्षा ऋण के अंतर्गत आने वाले व्यय

भारत में शिक्षा ऋण आमतौर पर निम्नलिखित खर्चों को कवर करते हैं- इसमें पाठ्यक्रम या कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक संस्थान द्वारा ली जाने वाली फीस शामिल है।

इसमें शैक्षणिक संस्थान द्वारा परीक्षा, प्रोजेक्ट या असाइनमेंट के लिए लिया जाने वाला कोई भी शुल्क शामिल है। इसमें पुस्तकालय का उपयोग करने या ऑनलाइन संसाधनों तक पहुँचने के लिए शैक्षणिक संस्थान द्वारा लिया जाने वाला कोई भी शुल्क शामिल है।

इसमें छात्रावास या छात्रावास में आवास के लिए शैक्षणिक संस्थान द्वारा लिया जाने वाला कोई भी शुल्क शामिल है।

इसमें प्रयोगशालाओं या अन्य विशेष उपकरणों तक पहुंच के लिए शैक्षणिक संस्थान द्वारा लिया जाने वाला कोई भी शुल्क शामिल है। इसमें हवाई किराया, ट्रेन टिकट और बस टिकट सहित शैक्षणिक संस्थान तक यात्रा से जुड़ी कोई भी लागत शामिल है। इसमें पाठ्यक्रम या कार्यक्रम के लिए आवश्यक किताबें और अन्य सामग्री खरीदने की लागत शामिल है।

इसमें शैक्षणिक संस्थान द्वारा आवश्यक कोई भी बीमा प्रीमियम शामिल है, जैसे स्वास्थ्य बीमा या दुर्घटना बीमा।

इसमें किसी पाठ्यक्रम या कार्यक्रम को आगे बढ़ाने से जुड़ी अतिरिक्त लागतें शामिल हैं, जैसे मुद्रण लागत या उपकरण किराये की फीस। आप अपनी ईएमआई की गणना करने और अपने ऋण अनुमान और गणना का आकलन करने के लिए शिक्षा ऋण ईएमआई कैलकुलेटर का भी उपयोग कर सकते हैं।

- भारत में शिक्षा ऋण लेने से होंगे ये-ये लाभ

यहां बताया गया है कि जरूरत पड़ने पर शिक्षा ऋण का चयन करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प क्यों है? शायद इसलिए कि भारत में शिक्षा ऋण पर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम ब्याज दरें होती हैं, जिससे वे छात्रों और उनके परिवारों के लिए अधिक किफायती हो जाते हैं। शिक्षा ऋण में आम तौर पर लंबी पुनर्भुगतान अवधि होती है, जिससे उधारकर्ताओं को अधिक विस्तारित अवधि में छोटी किस्तों में ऋण चुकाने की अनुमति मिलती है। इससे छात्रों के लिए अपने वित्त का प्रबंधन करना और बिना किसी परेशानी के ऋण चुकाना आसान हो जाता है।

भारत में शिक्षा ऋण लेने वाले छात्र आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ का लाभ उठा सकते हैं। इससे ऋण की कुल लागत को कम करने और इसे छात्रों के लिए अधिक किफायती बनाने में मदद मिल सकती है। भारत में कई शिक्षा ऋणों के लिए एक निश्चित राशि तक संपार्श्विक की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे उन छात्रों के लिए इसे प्राप्त करना आसान हो जाता है जिनके पास देने के लिए संपार्श्विक नहीं होता है।

शिक्षा ऋण शिक्षा की पूरी लागत को कवर कर सकता है, जिसमें ट्यूशन फीस, आवास और विदेश में अध्ययन से संबंधित अन्य खर्च शामिल हैं। यह उन छात्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है जिनके पास स्वतंत्र रूप से इन लागतों को कवर करने के लिए धन नहीं है। समय पर चुकाने से छात्रों को एक अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाने में मदद मिल सकती है, जो अन्य ऋण या वित्तीय उत्पादों के लिए आवेदन करते समय फायदेमंद हो सकता है।

- ये हैं भारत में सर्वोत्तम शिक्षा ऋण विकल्प

भारत में शिक्षा ऋण देने वाले बैंकों से संबंधित शिक्षा ऋण विवरण और उनके संक्षिप्त अवलोकन के साथ, पेश किए गए कुछ सर्वोत्तम शिक्षा ऋण निम्नलिखित हैं-

पहला, पंजाब नेशनल बैंक शिक्षा ऋण के तहत पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) उन छात्रों के लिए शिक्षा ऋण प्रदान करता है जो भारत या विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। उनकी जरूरतों के आधार पर ऋण राशि की कोई भी संख्या हो सकती है।

यह ऋण स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध है।

दूसरा, एसबीआई एजुकेशन लोन के तहत एसबीआई शिक्षा ऋण भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा भारत या विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को दिया जाने वाला एक वित्तीय सहायता कार्यक्रम है।

यह ऋण छात्रों को ट्यूशन, फीस, किताबों और उनकी पढ़ाई से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसका पुनर्भुगतान पाठ्यक्रम पूरा होने के एक वर्ष बाद किया जाना है और 20 लाख रुपये तक के ऋण के लिए शून्य प्रसंस्करण शुल्क की आवश्यकता है।

तीसरा, एक्सिस बैंक एजुकेशन लोन के तहत एक्सिस बैंक उन छात्रों को शिक्षा ऋण प्रदान करता है जो भारत या विदेश में उच्च अध्ययन करना चाहते हैं। यह भारत में शिक्षा ऋण के लिए सबसे अच्छे बैंकों में से एक है। ऋण राशि छात्र द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम और संस्थान पर आधारित है और ट्यूशन फीस, छात्रावास शुल्क और अन्य खर्चों को कवर कर सकती है। आपको मिलने वाली न्यूनतम ऋण राशि रु. 50,000, और ऋण वितरण आवेदन जमा करने के 15 व्यावसायिक दिनों के भीतर किया जाता है।

चतुर्थ, बैंक ऑफ बड़ौदा एजुकेशन लोन के तहत

जिन छात्रों ने प्रतिस्पर्धी परीक्षा या योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया के माध्यम से भारत या विदेश में उच्च अध्ययन के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में प्रवेश प्राप्त किया है, उन्हें इस ऋण के लिए मंजूरी मिल सकती है।

इस हेतु कोई प्रोसेसिंग फीस या दस्तावेजीकरण शुल्क नहीं है। वहीं, 7.5 लाख तक के लोन के लिए किसी संपार्श्विक की आवश्यकता नहीं है। जबकि ऋण का पुनर्भुगतान पाठ्यक्रम पूरा होने के एक वर्ष बाद या नौकरी मिलने के छह महीने बाद, जो भी पहले हो, शुरू होता है।

अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश

बिस्तर की चादर में लपेटकर वोल्टेज स्टेबलाइजर में छिपाई गई 15 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की गईं।

नई दिल्ली , परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अवैध हथियार सप्लाई करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मध्यप्रदेश से अवैध हथियार लाकर दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश में गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सुभाष वरकड़े, अब्दुल कलाम और दीपक बरेला के कब्जे से मैगजीन के साथ 30 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की हैं। स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि दिल्ली और आसपास के राज्यों में विभिन्न अपराध में अवैध हथियारों के इस्तेमाल के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल सेल ने दिल्ली-एनसीआर में अवैध हथियार आपूर्तिकताओं के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया हुआ है। लगातार निगरानी से पता चला कि यूपी के कुछ असलहा आपूर्तिकर्ता मध्य प्रदेश के अवैध असलहा आपूर्तिकताओं के संपर्क में हैं और उनसे अवैध असलहा खरीदते हैं। पहले ऑपरेशन में इंस्पेक्टर की टीम विवेकानन्द पाठक एवं इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ने तकनीकी और मैन्युअल निगरानी के जरिये हथियार तस्करों की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद मिले विशिष्ट इनपुट के बाद निरंकारी ग्राउंड, आउटर रिंग रोड के पास घेराबंदी कर मध्य प्रदेश के बैतूल के निवासी सुभाष वरकड़े को पकड़ लिया। आरोपी सुभाष के बैग से .32 बोर की कुल 10 अवैध सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद की गईं। एक अन्य ऑपरेशन में अवैध हथियार तस्कर मेरठ के अब्दुल कलाम को मिलेनियम पार्क, सराय काले खां से 26 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी एक बैग ले जा रहा था और जांच करने पर बिस्तर की चादर में लपेटकर वोल्टेज स्टेबलाइजर में छिपाई गई 15 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की गईं। इसके बाद आरोपी अब्दुल कलाम की निशानदेही पर अवैध हथियारों की आपूर्ति के स्रोत बुरहानपुर, मध्य प्रदेश के दीपक बारेला को 28 नवंबर को धार, एमपी से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 5 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की गईं। पांच वर्ष से हथियार सप्लाई कर रहा था आरोपी सुभाष ने खुलासा किया कि वह पांच साल से अवैध हथियारों के गोरखधंधे में लगा हुआ है।

वह बैतूल, एमपी निवासी राजेश के कहने पर एमपी, यूपी और दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न व्यक्तियों को अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। वह एमपी से एक हथियार 8,000 से 10,000 में लेता था और उसे आगे प्रति पिस्तौल 15,000 से 20,000 रुपये में बेचता था। फोन साथ न ले जाने की हिदायत दी थी आरोपी अब्दुल कलाम ने खुलासा किया कि वह मेरठ निवासी सलाउद्दीन के निर्देश पर हथियार खरीदता था। इस बार भी सलाउद्दीन के निर्देश पर बुरहानपुर, एमपी गया था और दीपक नामक व्यक्ति से अवैध हथियार खरीदे थे। सलाउद्दीन ने यह भी हिदायत दी कि वह एमपी जाते समय अपना मोबाइल साथ न ले जाए। खेप लेने के बाद वह ट्रेन या बस से यात्रा करता था। उसने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए हथियार छिपाने के लिए वोल्टेज स्टेबलाइजर में एक खास जगह बनाई हुई थी। खराब वित्तीय स्थिति के कारण लालच में आया अब्दुल कलाम ने बताया कि खराब वित्तीय स्थिति के कारण वह सलाउद्दीन के संपर्क में आया, जिसने उसे अवैध हथियारों की आपूर्ति के गोरखधंधे में शामिल होने का लालच दिया।

वह सलाउद्दीन के निर्देश पर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर निवासी दीपक से हथियार खरीदता था। उसके पिता अब्दुल सलाम भी अवैध हथियारों के धंधे में शामिल थे। स्पेशल सेल ने उसे वर्ष 2020 में गिरफ्तार किया था।

कैथल में हुई बारिश व ओलावृष्टि, रबी की फसलों में होगा फायदा

बारिश के बाद एक्यूआई का स्तर भी काफी कम हुआ है। बारिश से पहले एक्यूआई 280 था, जो बारिश के बाद 190 दर्ज किया गया है। वहीं, बारिश के बाद अनाज मंडी में भी धान को तिरपाल स्व ढका गया।

कैथल (हरियाणा) परिवहन विशेष न्यूज

कैथल में सुबह साढ़े सात बजे बारिश व कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। जिसके बाद ठंड ने दस्तक दी है। बारिश के बाद तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। विदित रहे कि जिलेभर में 10 एमएम दर्ज की गई है।बारिश से रबी की फसलों को फायदा हुआ है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश से गेहूं की फसलों में फुटाव होगा और मौसम अनुकूल रहा तो अच्छा उत्पान होगा।

बारिश के बाद एक्यूआई का स्तर भी काफी कम हुआ है।

बारिश से पहले एक्यूआई 280 था, जो बारिश के बाद 190 दर्ज किया गया है। वहीं, बारिश के बाद अनाज मंडी में भी धान को तिरपाल स्व ढका गया।

गर्म कपड़ों में लिपटे दिखे वाहन चालक बारिश के बाद ठंड बढ़ गई है।

बारिश के बाद दोपहिया वाहनों पर चलने वाले लोग गर्म कपड़ों में लिपटे हुए दिखाए दिए। वहीं, बारिश के चलते सुबह कामकाज पर जाने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। कृषि उपनिदेशक डॉक्टर महावीर सिंह ने बताया कि बारिश से रबी की फसलों को फायदा होगा। गेहूं की फसल में फुटाव होगा और अच्छी ग्रोथ होगी। अब तक हुई बारिश से कोई नुकसान नहीं है।

यह बारिश फसलों में खाद्य का कार्य करेगी।

एम्स में भर्ती मजदूरों का हालचाल जानने पहुंचे राज्यपाल, बोले-परीक्षा में सभी हुए सफल

वैसे तो दिवाली के 11वें दिन यानी एकादशी को उत्तराखंड में ईगास मनाने का रिवाज है, लेकिन मजदूरों के सुरंग में फंसे होने के चलते सीएम धामी ने आवास पर आयोजित कार्यक्रम स्थगित कर दिया था।

देहरादून , परिवहन विशेष न्यूज

राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह ऋषिकेश एम्स में भर्ती 41 मजदूरों का हालचाल जानने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुरंग में फंसे 41 लोगों की यह परीक्षा थी, जिसमें वह सफल हुए हैं। साथ ही उन्होंने हमें एक सबक सिखाया है कि किस प्रकार मुश्किल घड़ी में एक साथ रहना है। मजदूरों को उनके घर पहुंचाने के लिए एम्स परिसर में बसें पहुंच गई हैं। 17 दिन तक सिलक्यारा सुरंग में जिंदगी गुजारने वाले मजदूरों के हौसले फिर भी बुलंद हैं। उनका कहना है कि सुरंग निर्माण के दौरान इस तरह की घटना सामान्य होती है। हालांकि इस बार मलबा ज्यादा गिर गया था। मजदूरों ने छुट्टी के बाद फिर काम पर लौटने का संकल्प लिया है तो कुछ मजदूरों के परिजन वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल से श्रमिकों की सुरक्षित वापसी के बाद देहरादून स्थित सीएम आवास में ईगास यानी बूढ़ी दीपावली का उत्सव मनाया गया। वैसे तो दिवाली के 11वें दिन यानी एकादशी को उत्तराखंड में ईगास मनाने का रिवाज है, लेकिन मजदूरों के सुरंग में फंसे होने के चलते सीएम धामी ने आवास पर आयोजित कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। वहीं, जब मजदूर सुरक्षित वापस आए हैं तो उन्होंने बुधवार को ही उत्सव मनाया। सीएम धामी भैलो खेलकर लोकगीतों पर जमकर थिरके। इस अवसर पर सीएम आवास में श्रमिकों के परिजन भी मौजूद थे। सीएम ने इन सभी का माल्यार्पण कर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

ट्रैक पार करने की कोशिश में मेट्रो-प्लेटफॉर्म के बीच फंसा युवक, हो गई मौत

इस मामले में वीडियो वायरल होने पर बुधवार को दिल्ली मेट्रो को बयान जारी करना पड़ा। मेट्रो के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि गत दिनों की घटना का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

नई दिल्ली , परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में मेट्रो में जल्दबाजी में ट्रैक पार करने से एक शख्स की दर्दनाक मौत हो गई। घटना 12 नंवबर की है। इस घटना का वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। मृतक की शिनाख्त उत्तर प्रदेश के कानपुर के रहने वाले भूरा सिंह के रूप में हुई है। इस मामले में वीडियो वायरल होने पर बुधवार को दिल्ली मेट्रो को बयान जारी करना पड़ा। मेट्रो के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि गत दिनों की घटना का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

कुतुब मीनार स्टेशन पर हुई यह घटना 12 नवंबर की घटना है, जिसमें एक यात्री मेट्रो ट्रैक पार करते समय मेट्रो और प्लेटफार्म में फंस गया था। बता दें कि भूरा सिंह अपने बेटे बेटे अश्विन के साथ मानेसर के पास कसान गांव में रहते थे।

12 नवंबर को वह कुतुब मिनार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उतरे। स्टेशन से बाहर निकलने की जल्दी में उन्होंने दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए सीढ़ियों या एस्केलेटर का उपयोग करने के बजाय ट्रैक को पार करने की कोशिश की। इस दौरान वह ट्रेन के चपेट में आ गए।

गढ़वाली गाने पर एसडीआरएफ जवानों संग नाचे, सुरंग ऑपरेशन की सफलता पर ऐसे मनाया जश्न

देहरादून , परिवहन विशेष न्यूज

अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब एक्स पर डाले अपने नए वीडियो को लेकर वह चर्चा में हैं। वह गढ़वाली गाने पर एसडीआरएफ के जवानों संग डांस करते नजर आ रहे हैं। इसमें उन्होंने लिखा है, कि सिलक्यारा सुरंग ऑपरेशन की सफलता पर जश्न। इससे पहले सिल्क्यारा सुरंग से सभी 41 श्रमिकों के सफल बचाव पर अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड ने कहा था कि सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है, सभी माता-पिता को उनके बच्चों को घर पहुंचाने में मदद करना मेरे लिए सम्मान की बात है। हमने एक अद्भुत टीम के रूप में काम किया। भारत के पास सबसे अच्छे इंजीनियर हैं। इस सफल मिशन का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा था कि मुझे मंदिर जाना है क्योंकि जो हुआ उसके लिए मैंने धन्यवाद देने का वादा किया था। यदि आपने ध्यान नहीं दिया है, तो हमने सिर्फ एक चमत्कार देखा है। वहीं वीडियो में गीत के जरिए बाबा बौखनाथ का धन्यवाद किया जा रहा है। वहीं, रोजाना भगवान की पूजा करने और चुनौतियों पर अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि मैंने अपने लिए कुछ नहीं मांगा, मैंने वहां मौजूद 41 लोगों और मदद करने वाले सभी लोगों के लिए प्रार्थना की। सिल्कयारा सुरंग से सभी 41 श्रमिकों के सफल बचाव पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी अर्नोल्ड डिक्स को बधाई दी थी। संदेश पर डिक्स ने कहा कि धन्यवाद, श्रीमान प्रधान मंत्री... यह दिखाना मेरा विशेषाधिकार और खुशी है कि हम सिर्फ क्रिकेट में ही शानदार नहीं, हम अन्य काम भी करते हैं, जिसमें सुरंग बचाव भी शामिल है। 41 लोग बाहर हैं, सभी सुरक्षित हैं। सब कुछ सही है। आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज ने उत्तराखंड में सिल्क्यारा-बारकोट सुरंग के अंदर फंसे 41 श्रमिकों को निकालने के लिए सफलतापूर्वक बचाव अभियान चलाने के लिए भारतीय अधिकारियों की सराहना की थी।

जाति और मजहब के नाम पर देश को बांटने वाले विकास के विरोधी: सीएम योगी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो कि गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता है। उन्होंने कहा कि समाज को जाति, पंथ, मजहब और वंशवाद के नाम पर देश को बांटने वाले विकास के विरोधी होते हैं। वो विकास के एजेंडे को पीछे करना चाहते हैं।

इनसे बचने की जरूरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में विकसित भारत संकल्प यात्रा के एक कार्यक्रम को लखनऊ में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देश पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने दस दिन आगे बढ़ाई राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2022

इंदौर , परिवहन विशेष न्यूज

दिसंबर माह के 20 दिनों में तीन परिक्षाएं आयोजित करने का विरोध रंग लाया। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग को आखिरकार झुकना पड़ा और राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2022 और सहायक कुलसचिव की परीक्षा तिथि आगे बढ़ाई। पहले राज्य सेवा परीक्षा दिसंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित की गई थी, लेकिन उसे अब दस दिन आगे बढ़ा दिया गया है। आठ से 13 जनवरी के बीच राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2022 होगी। पीएससी ने परीक्षा का नया शेड्यूल भी जारी कर दिया है।8 जनवरी को सामान्य अध्यक्ष-1 9 जनवरी को सामान्य अध्ययन-2, 10 जनवरी को सामान्य अध्ययन-3, 11 जनवरी को सामान्य अध्ययन-4, 12 जनवरी को सामान्य हिन्दी और व्याकरण,13 जनवरी को हिन्दी निबंध व प्रारुप लेखन की परीक्षा होगी। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। उधर पीएससी ने सहायक कुलसचिव के साक्षात्कार भी फिलहाल रद्द कर दिए है। अभी उसकी नई तिथि घोषित नहीं हुई है। मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग ने पहले दिसंबर माह में तीन परीक्षाएं आयोजित करने की घोषणा की थी। इससे अभ्यर्थी नाराज थे और कांग्रेस के नेतागणों ने भी आपत्ति दर्ज कराते हुए ट्वीट किए थे।

मौसम ने ली करवट, अटल टनल रोहतांग और लाहौल की ऊंची चोटियों में ताजा बर्फबारी

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी से कड़ाके की ठंड पड़ गई है। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए हैं। इस साल नवंबर में सामान्य से 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है।

कुल्लू , परिवहन विशेष न्यूज

प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। अटल टनल रोहतांग के साथ जिला कुल्लू व लाहौल की ऊंची चोटियों में ताजा बर्फबारी हुई है। बुधवार रात के बाद वीरवार सुबह भी बर्फ के फाहे गिरे हैं। बर्फ के फाहों के बीच सैलानी कोकसर पहुंचे और जमकर मस्ती कर रहे हैं। जबकि कुल्लू जिला के निचले इलाकों में बूंदाबांदी होने से तापमान में गिरावट आई है।

मौसम को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों को संवदेनशील इलाकों की ओर न जाने की हिदायत दी है। मौसम विज्ञान केंद्र ने जिला कुल्लू और लाहौल-स्पीति में दो दिनों तक मौसम खराब रहने तथा ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना जताई है। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी से कड़ाके की ठंड पड़ गई है। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए हैं। इस साल नवंबर में सामान्य से 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है।

हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में आज बारिश और बर्फबारी का येलो अलर्ट जारी हुआ है। शुक्रवार को भी मौसम खराब बना रहने की संभावना है। दो दिसंबर से पूरे प्रदेश में मौसम रहने का पूवार्नुमान है। ऊना में अधिकतम तापमान 25.6, सुंदरनगर में 24.2, भुंतर में 23.0, नाहन-सोलन में 22.0, कांगड़ा में 21.3, चंबा में 20.5, धर्मशाला में 19.5, शिमला में 17.5, मनाली में 16.0, मंडी में 14.8 और कल्पा में 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

सर्दियों में 5760 मेगावॉट हो सकती है बिजली की मांग

अत्याधुनिक तकनीकों की बदौलत बीएसईएस अब बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगा सकती है। इसके लिए, लोड फोरकास्टिंग सिस्टम के अलावा मॉडलिंग तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है।

नई दिल्ली, परिवहन विशेष न्यूज

सर्दियों में अपने लगभग दो करोड़ बिजली उपभोक्ताओं (जिनमें करीब 50 लाख रजिस्टर्ड ग्राहक) को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पारंपरिक पावर प्लांटों को लॉन्ग टर्म आधार पर किए गए बिजली खरीद समझौतों के तहत बीएसईएस को पर्याप्त बिजली मिलेगी। बीएसईएस को 2000 मेगावॉट से अधिक ग्रीन पावर यानी हरित बिजली भी उपलब्ध होगी। इसमें सेकी (सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) से मिलने वाली 840 मेगावॉट सौर ऊर्जा शामिल है। इसके अलावा, 540 मेगावॉट हाइड्रो पावर, 500 मेगावॉट विंड एनर्जी और करीब 40 मेगावॉट कचरे से बनने वाली बिजली भी बीएसईएस को मिलेगी। बीएसईएस क्षेत्र में लगे रूफटॉप सोलर पावर प्लांटों से भी 150 मेगावॉट से अधिक बिजली मिलेगी। इस बार ठंड के महीनों में बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं की कुल बिजली जरूरतों का 60 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन एनर्जी से पूरा करेगी।

अत्याधुनिक तकनीकों की बदौलत बीएसईएस अब बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगा सकती है। इसके लिए, लोड फोरकास्टिंग सिस्टम के अलावा मॉडलिंग तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में ये तकनीक काफी मददगार साबित होंगी।

लोड फोरकास्टिंग सिस्टम की मदद से बीएसईएस अब तीन स्तरों पर बिजली की मांग का करीब सटीक अनुमान लगा पाने में सक्षम है। कल बिजली की क्या मांग रहने वाली है, इसका पता लगाया जा सकता है। यह भी जाना जा सकता है कि कल बिजली की क्या डिमांड होगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ले रहे मदद

बिजली की मांग का सटीक अनुमान लगाने के लिए बीएसईएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी मदद ले रही है। इन तकनीकों के इस्तेमाल से बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगाकर उपभोक्ताओं को बिजली की सुचारु आपूर्ति करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में बिजली की डिमांड के उतार-चढ़ाव में मौसम की बड़ी भुमिका होती है, इसलिए बिजली की मांग का अनुमान लगाते वक्त वेदर फोरकास्टिंग तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि कल का मौसम कैसा रहेगा, बारिश होगी या नहीं, तापमान गिरेगा या बढ़ेगा, हवा की गति कैसी रहेगी।

गर्मियों की तैयारी अभी से शुरू की

बीएसईएस ने सर्दियों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा, अभी से ही गर्मियों की तैयारियां भी शुरू कर दी है। इसके लिए पावर बैंकिंग मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है। बीएसईएस सर्दियों में कुछ ठंडे प्रदेशों को बिजली देगी और बदले में वे ठंडे प्रदेश गर्मियों में बीएसईएस को बिजली वापस करेंगे, जिसका फायदा उपभोक्ताओं को गर्मियों में मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023